केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 115 सोमवार 18 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

केशव प्रसाद मौर्य को मुख्यमंत्री योगी का अपमान बर्दाश्त नहीं

लखनंऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजियों का सिलसिला चल रहा है। इस बीच डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य खुलकर विपक्ष पर हमले बोल रहे हैं। अब उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्ध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान को लेकर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। केशव मौर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक संत हैं और एक संत का अपमान न तो केशव प्रसाद मौर्य बर्दाश्त करेगा, न देश और न ही प्रदेश की जनता बर्दाश्त करेगी। इसका खामियाजा उन्हें उपचुनाव और चुनाव में भुगतना पड़ेगा।' केशव प्रसाद मौर्य का यह बयान तब आया जब एक दिन पहले ही 'बटेंगे तो कटेंगे' वाले सीएम योगी

के बयान से उनके किनारा कर लेने की खबरें सामने आई थीं।

मंझवा उपचुनाव में प्रचार के बाद एक टीवी चैनल से बात करते हुए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सीएम के इस नारे पर टिप्पणी से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि वह नहीं जानते कि मुख्यमंत्री ने यह बात किस संदर्भ में कही है इसलिए वह कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। लेकिन हम सबके नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो नारा दिया है वो है 'सबका साथ सबका विकास' और 'एक हैं तो सेफ हैं', यही नारा हमारा नारा है। उन्होंने यह भी जोड़ा था कि मुख्यमंत्री ने जो बात कही है उन्होंने कुछ सोचकर कहा होगा। किस संदर्भ में उन्होंने बातें कहीं है, यह मैं नहीं जानता इसलिए मेरा इस पर कोई टिप्पणी करना ठीक नहीं है।

इसके पहले भी कई बार केशव प्रसाद मौर्य की सीएम योगी की लाइन से अलग हटकर बीजेपी के अंदर अपनी एक लाइन होने की खबरें आती रही हैं। लेकिन यूपी उपचुनावों के बीच उनके बदले रुख की राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि इस उपचुनाव में जीतना भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बना हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी में सिर्फ 33 सीटें (2019 में 62 के मुकाबले) जीतने में कामयाब रही पार्टी इस बार कोई रिस्क नहीं लेना चाहती।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, ' संगत से गुण होत है संगत से गुण जाय, बांस, फांस और मिश्री एके भाव बिकाय। उनको (अखिलेश यादव) कभी अच्छे लोगों की संगति नहीं मिली है। गुंडों, अपराधियों, दंगाइयों और माफियाओं के बीच रहेंगे तो साधु–संतों के बारे में क्या बोलना है और क्या नहीं बोलना है, इस मर्यादा का उन्हें ध्यान कैसे रहेगा? मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक संत हैं ।

डीएम से अधूरे सड़क निर्माण कार्य को पूरा कराने की मांग

मुख्यमंत्री नगरीय अल्प विकसित बस्ती विकास योजना
कार्यदायी संस्था–डूडा बस्ती
कार्य का नाम– पुराना डाकखाना में आर0पी0 सुमन के घर से राजेश के मकान तक इण्टरलाकिंग सड़क व नाली निर्माण कार्य
प्रस्तावक–श्रीमती सुमन सिंह
मा0 पूर्व सदस्य राज्य महिला आयोग उ0प्र0 सरकार
श्री सर्वेश यादव, सभासद — श्रीमती नेहा वर्मा, मा.अध्यक्ष न0पा0परि0 बस्ती — श्री महेन्द्र नाथ यादव, मा.विधायक बस्ती सदर — श्री हरीश द्विवेदी, मा.सांसद बस्ती
परियोजना अधिकारी डूडा–बस्ती — अपर जिला अधि./परियोजना निदेशक डूडा–बस्ती — जिलाधिकारी/अध्यक्ष डूडा–बस्ती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगर पालिका के वार्ड संख्या 17 पुराना डाक खाना पटवा स्कूल के पीछे डूडा द्वारा सुमन के मकान से राजेश सिंह के मकान तक इण्टर लांकिग और सड़क निर्माण का बोर्ड लगा दिया गया है किन्तु ठेकेदार द्वारा कार्य पूरा नहीं किया गया। सुमन के मकान से वंदना के मकान तक 20 मीटर बनाकर छोड़ दिया गया । 110 मीटर का कार्य नहीं कराया गया। मनोज कुमार एवं अन्य मोहल्ला वासियों ने जिलाधिकारी एवं सम्बंधित विभाग के उच्चाधिकारियों को पत्र देकर इण्टर लांकिग सड़क का निर्माण पूरा कराये जाने की मांग किया है। नागरिकों ने अपने पैसे से मिट्टी की पटाई करायी और सड़क निर्माण का इंतजार कर रहे हैं। लोगों के घरों का पानी दूसरे के प्लाट में बहता है जिससे आये दिन समस्या पैदा होती है। नागरिकों ने बताया कि बोर्ड लगवाकर अधूरा कार्य कराते हुये ठेकेदार ने चुप्पी साध लिया। मोहल्ले के घनश्याम सिंह, वंदना पाठक, रीना जायसवाल, राम बहादुर सिंह, प्रशान्त बरगाह आदि ने मांग किया है कि अधूरे निर्माण कार्य को पूरा कराया जाय।

पुण्य तिथि पर याद किये गये बालासाहेब ठाकरे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शिव सेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे को उनके पुण्य तिथि पर याद किया गया। शिवसेना जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय के संयोजन में रविवार को सुगर मिल परिसर में स्थित शिविर कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बालासाहेब ठाकरे के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें नमन् किया।

शिवसेना जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं का नारा देने वाले स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे का योगदान सदैव याद किया जायेगा। बाला साहब करीब 46 वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में रहे। न तो उन्होंने कभी कोई चुनाव लड़ा, न ही कोई राजनीतिक पद स्वीकार किया, फिर भी महाराष्ट्र की राजनीति में अहम भूमिका निभाते रहे. उनके विचार सदैव लोगों को प्रेरणा देंगे।

पुण्य तिथि पर बालासाहेब ठाकरे को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से इन्द्रपाल प्रजापति, राम प्रकाश गौतम रामसजीवन चौधरी, विजय गुपता, विकास चौधरी, अजय चौधरी, चंचल सिंह, भवानी सेना जिला प्रमुख चन्द्रावती, बलराम प्रजापति, सुनीता, प्रभावती, फूलमती, मालती देवी, गीता देवी, प्रभावती देवी, लक्ष्मी आदि शामिल रहे।

सपा के वरिष्ठ नेता राम केवल यादव का निधन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला सहकारी बैंक बस्ती के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ सपा नेता रामकेवल यादव का रविवार सुबह निधन हो गया। शहर से सटे गनेशपुर निवासी रामकेवल यादव कुछ समय से बीमार चल रहे थे। किडनी में खराबी का लखनऊ में उनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान रविवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। निधन की खबर फैलते ही शहर में उनके आवास–विकास स्थित आवास पर सपाईयों व शुभचिंतकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। छात्र राजनीति से कैरियर शुरू करने वाले रामकेवल यादव अपनी राजनैतिक जीवन में हमेंशा समाजवादी विचारधारा से जुड़े रहे। सपा में उन्हें शिवपाल सिंह यादव का करीबी माना जाता रहा है।

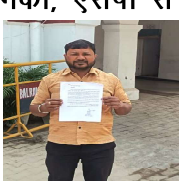

यही कारण रहा कि जब शिवपाल सिंह यादव का सपा का अलगाव हुआ तो रामकेवल यादव ने जनपद में शिवपाल का झंडा बुलंद किया था। उनके निधन पर सांसद राम प्रसाद चौधरी, विधायक महेंद्रनाथ यादव, राजेंद्र चौधरी, कवींद्र चौधरी सहित अन्य सपाईयों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

राजस्व निरीक्षक पर गलत पैमाइश करने का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भानपुर तहसील क्षेत्र के औड़जंगल टोला दुर्गापुर निवासी लालमन चौधरी ने राजस्व निरीक्षक सुभाष चंद्र चौबे एवं लेखपाल संतोष चौधरी पर गलत पैमाइश कर रास्ते को इधर–उधर करने का आरोप लगाया है । शिकायतकर्ता ने बताया की 28 जुलाई 2023 को टीम बना कर पैमाइश किया गया तब सड़क गाटा संख्या 273 में दो मीटर जा रही थी और वही पैमाइश दोबारा 13 नवंबर 2024 को किया तो सड़क के गाटा संख्या 374 में दो मीटर जा रही है । शिकायतकर्ता का कहना है की अलग अलग तरह के पैमाइश को किसको सही माना जाए और किसको गलत शिकायतकर्ता का आरोप है कि राजस्व निरीक्षक राजनीतिक दबाव में आकर जानबूझकर सड़क उसके चक से निकाल रहे हैं ।

झांसी अग्निकांड पर मानवाधिकार आयोग ने जारी किया नोटिस

लखनऊ (आभा)। झांसी मेडिकल कॉलेज के स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट में आग लगने से 10 नवजात बच्चों की मौत की घटना पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। आयोग ने कहा है कि हमने एक मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें इस घटना का विवरण दिया गया था। घटना में 11 बच्चों की मौत हो गई थी जबकि 15 बच्चे घायल हुए हैं। 37 बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया था। अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल में आग बिजली के शार्ट सर्किट की वजह से लगी। एनएचआरसी ने राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर एक हफ्ते के अंदर इस पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

ग्राम प्रधान की शिकायत किया तो मिली जान से मार देने की धमकी, एसपी से न्याय की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के संसारपुर फुटहिया निवासी जितेन्द्र कुमार ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने और परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में जितेन्द्र कुमार ने कहा है कि उनकी ग्राम पंचायत दुबखरा के ग्राम प्रधान राजेन्द्र कुमार द्वारा विकास कार्यो में व्यापक बदरबाट किया जा रहा है। उन्होने जब ग्राम प्रधान की शिकायत उच्चाधिकारियों से किया तो ग्राम प्रधान और बीडीसी एवं उनके गुर्गो द्वारा जान से मार देने की धमकियां दी जा रही है।

एसपी को दिये पत्र में जितेन्द्र कुमार ने मांग किया है कि संबंधित नगर थाने को निर्देशित कर उसके और परिवार के सदस्यों के जान मॉल की सुरक्षा करते हुए राजेन्द्र कुमार पुत्र छोटेलाल, नागेन्द्र कुमार, धर्मेन्द्र कुमार पुत्रगण छोटेलाल रमेश कुमार पुत्र कन्हैयालाल निवासी संसारपुर थाना नगर के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर मुकदमा पंजीकृत कराया जाय।

सेवा निवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक में गूंजा राशिकरण की कटौती बंद किये जाने, शासनादेश जारी करने का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन के कोर कमेटी की बैठक जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित पेंशनर कक्ष में सम्पन्न हुई। संचालन जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने किया। बैठक में पेंशन से राशिकरण की कटौती 10 वर्ष पर बंद करने हेतु शासनादेश जारी न किये न जाने का मुद्दा छाया रहा। निर्णय लिया गया कि यदि मांगे न मानी गई तो सेवा निवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन द्वारा 22 नवम्बर को समूचे प्रदेश में धरना प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को ज्ञापन भेजा जायेगा।

–22 नवम्बर को प्रदेश भर में मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन की चेतावनी

बैठक को सम्बोधित करते हुये जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने बताया कि एसोसिएशन लगातार सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों के लिये संघर्ष कर रहा है। बैठक में राशिकृत पेंशन की वसूली 10 वर्ष बाद न किये जाने, उम्र 65, 70 और 75 वर्ष पर 5, 10, 15 प्रतिशत पेंशन में बढोत्तरी, रेलवे किराये में वरिष्ठ नागरिकों के लिये छूट बहाल किये जाने आदि का मुद्दा छाया रहा। निर्णय लिया गया कि मांगे न मानी गई तो संघर्ष तेज किया जायेगा।

जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने कहा कि एसोसिएशन द्वारा पेंशनर्स दिवस में समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया था। निश्चित रूप से इसके सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे। पेंशनरों की समस्याओं के निस्तारण के लिये एसोसिएशन लगातार संघर्षशील है। उन्होने 50 प्रतिशत से अधिक मंहगाई होने पर उसे पेंशन में मर्जर कर अनुषांगिक लाभ दिये जाने पर जोर दिया । बैठक में शासनादेश के अनुसार पेंन्शनर्स कक्ष में सुविधा उपलब्ध कराये जाने की मांग किया गया।

बैठक को चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, सुरेशधर दूबे, प्रेमशंकर लाल, ई. रामचन्द्र शुक्ल, सुरेन्द्रनाथ उपाध्याय, मुनीशचन्द्र श्रीवास्तव, ई. देवी प्रसाद शुक्ल, रामधीरज यादव आदि ने पेंशनरों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये अधिकारों के लिये संघर्ष का आवाहन किया। एसोसिएशन के सह मीडिया प्रभारी सुरेन्द्रनाथ उपाध्याय ने बताया कि बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं पर बैठक में बिन्दुवार विचार विमर्श किया गया।

बैठक में राधेश्याम तिवारी, श्रीगोपाल त्रिपाठी, देवनरायन प्रजापति, प्रेमप्रकाश मिश्र, जयनाथ सिंह, डा. अंगिरा प्रसाद, ओम प्रकाश मिश्र, छोटेलाल यादव, सुरेशधर दूबे, शीतल प्रसाद पाण्डेय, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, मनोज कुमार श्रीवास्तव, डा. नरेन्द्र उपाध्याय, धर्म प्रकाश उपाध्याय, सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, शिवचन्द्र मिश्र, परमेश्वरी दयाल सिंह, जंग बहादुर, राम यज्ञ, अमरनाथ सिंह, राम प्रसाद त्रिपाठी आदि शामिल रहे।

बस्ती मैराथन में दौड़े 2762 धावक दिया संदेश, प्रिंस राज यादव प्रथम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ द्वारा आयोजित बस्ती मैराथन का उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने हरी झण्डी दिखाकर धावकों को रवाना किया। स्वच्छ बस्ती, नशामुक्त बस्ती, स्वस्थ बस्ती को समर्पित इस मैराथन दौड़ में 2762 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिनमें 1934 बालक और 828 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया।

6 किलोमीटर दौड़ की प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में पहला स्थान अम्बेडकरनगर के प्रिंस राज यादव , पुरुष वर्ग में दूसरा स्थान अयोध्या के राकेश यादव , पुरुष वर्ग में तीसरा स्थान बस्ती के शिवसागर । महिला वर्ग में पहला स्थान मिर्जापुर से आकांक्षा सिंह , महिला वर्ग में दूसरा स्थान कुशीनगर से पूनम निषाद, महिला वर्ग में तीसरा स्थान बस्ती से मान्या को मिला।

इस प्रतियोगिता में विद्यालयी प्रतिभागियों में बालक वर्ग में पहला स्थान अम्बेडकरनगर के विशाल शर्मा, बालक वर्ग में दूसरा स्थान बस्ती से आलोक कुमार , बालक वर्ग में तीसरा स्थान बस्ती से अंकुर व बालिका वर्ग में पहला स्थान रायबरेली से मुस्कान यादव , बालिका वर्ग में दूसरा स्थान बस्ती से अरुणिका सिंहः , बालिका वर्ग में तीसरा स्थान बस्ती से काजल को मिला। विनय गिरी,धीरज कुमार,अरुण कुमार, आकांक्षा सिंह,अल्फिया खातून, अक्षिता ओझा, विपिन निषाद, दयनाथ निषाद, मनमोहन ,सिमोन बेगम ,ज्योति गुप्ता, और सोनम को सांत्वना पुरस्कार मिला।

कार्यक्रम में उपस्थित उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने कहा, बस्ती मैराथन का आयोजन समाज में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का एक उत्कृष्ट प्रयास है। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ का यह योगदान सराहनीय है और इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा।

पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा, बस्ती मैराथन जैसे आयोजनों से युवाओं में उत्साह और प्रेरणा का संचार होता है। स्वस्थ और नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए ऐसे आयोजनों की आवश्यकता है।

राजमाता रानी आशिमा सिंह ने कहा, स्वच्छता और स्वास्थ्य की दिशा में यह कदम बस्ती के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैं इस आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई देती हूँ।

राजेंद्र नाथ तिवारी ने कहा नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ का यह प्रयास बस्ती के युवाओं को संगठित कर एक सकारात्मक दिशा देने का काम कर रहा है। इस मैराथन में भाग लेकर युवा समाज को स्वस्थ और नशामुक्त बनाने का संदेश दे रहे हैं। युवा नेता हर्षवर्धन ने कहा, बस्ती मैराथन एक ऐसा मंच है, जो युवाओं को एकजुट कर उन्हें समाज सुधार में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है। मुझे गर्व है कि इस आयोजन का हिस्सा बना हूँ।

महिला मोर्चा अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा, महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखकर बहुत खुशी हुई। यह आयोजन महिलाओं के आत्मविश्वास और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने का एक आदर्श उदाहरण है। समाजसेवी व विधायक प्रतिनिधि सरोज बाबा ने कहा कि यह कार्यक्रम बस्ती की पहचान बन चुका है और यह कार्यक्रम अब बस्ती के लोगों ने अपना लिया है।

नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ के अध्यक्ष भावेष पाण्डेय ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, मैं इस आयोजन में शामिल सभी गणमान्य अतिथियों, प्रतिभागियों, और समर्पित वॉलंटियर्स का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। यह आयोजन आपकी प्रतिबद्धता और सहयोग के बिना संभव नहीं था। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ बस्ती को स्वच्छ, स्वस्थ और नशामुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। आपका सहयोग हमें इस दिशा में और भी अधिक प्रेरित करता है।

प्रमुख रूप से मुख्य चिकित्साधिकारी, डॉ० आशीष नारायण तिवारी, पवन कसौधन, दिवाकर मिश्र, अंकुर वर्मा, अभय पाल, दयाशंकर मिश्र, जेपी तिवारी, रामनुजेंद्र पाण्डेय, स्तुति सिंह, प्रत्युष विक्रम सिंह, राजेश पाल चौधरी, सत्येंद्र शुक्ल जिप्पी, नितेश शर्मा, सुखराम गौड़, हरिकृष्ण त्रिपाठी, आदित्य श्रीवास्तव, राजेश चित्रगुप्त, आनंद पाण्डेय, गजेंद्र गहमरी, संगीता यादव, आनंद गौरव शुक्ल, सचिन सिंह, आयुष चौहान, मनीष पाण्डेय आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

वॉलंटियर्स के रूप में प्रिंस मिश्र (जिला संयोजक), ओमकार चौधरी (कार्यक्रम संयोजक), नवीन त्रिपाठी, सुनील यादव, राम प्रताप सिंह, हेमंत पाण्डेय, आशुतोष सिंह, रितिकेश सहाय, शुभम शुक्ला, अरुण पांडेय, सुरेंद्र चौधरी, अमित राय, सुधांशु पांडेय, हिमांशु सोनी, काजी फरजान, रत्नेश विश्वकर्मा, अभिषेक ओझा, शाश्वत श्रीवास्तव, अंकिता शुक्ला, अनामिका सिंह, आशुतोष श्रीवास्तव , सुलभ पाल, रुद्र आदर्श पाण्डेय, अमित पांडेय, ऋतिक, उत्तम दुबे, साहिल चौधरी, योगेंद्र शुक्ल आदि लोगों ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिव मंदिर कंपनी बाग पर रामविनय पाण्डेय, जयेश सिंह 'मुन्ना, रविंद्रनाथ तिवारी, रणदीप माथुर और रोडवेज पर सुलभ पाल के नेतृत्व में अभिषेक चौधरी, शिवम वर्मा, समेन्द्र चौधरी, प्रशांत शर्मा, हर्षदीप शुक्ल, आशीष पाण्डेय, संजय चौधरी आदि ने मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी संभाली।

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में राष्ट्रीय गीतों की बयार, काशी प्रान्त की टीम रही अव्वल

- भारत को जानना, समझना आवश्यक -गजेन्द्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हार्दिया चौराहे पर स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल के परिसर में रविवार को भारत विकास परिषद की क्षेत्र स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें काशी प्रान्त की टीम अव्वल रही। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अशोक जान्हवी प्रसाद और अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय समन्वयक गजेन्द्र सिंह संधू ने पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया। गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष कैलाश नाथ दूबे और आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश दूबे के नेतृत्व में अतिथियों का स्वागत किया गया। उत्तर मध्य क्षेत्र – 2 के सभी प्रांत की टीमों ने अपना बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रस्तुति दी। निर्णायक मंडल के सदस्यों प्रयागराज के विवेक, लखनऊ की रंजना अग्रहरि और काशी के हनुमान प्रसाद गुप्ता द्वारा परिणाम घोषित किया। जिसमें काशी प्रान्त की सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल वाराणसी की टीम प्रथम, अवध प्रान्त की सेठ एमआर जयपुरिया लखनऊ की टीम द्वितीय तथा गोरक्ष प्रांत की जेपी इंटरमीडिएट कॉलेज कुशीनगर की टीम तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले सभी प्रतिभागियों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर हौसला बढ़ाया गया साथ ही विजेता टीमों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अशोक जान्हवी प्रसाद ने कहा कि देश के प्रति लोग जितना ज्यादा समर्पित होंगे उतना ही ज्यादा देश सशक्त और मजबूत होगा। भारत विकास परिषद का राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता उसकी एक कड़ी है। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गजेन्द्र सिंह संधू ने कहा कि हम सभी को भारत को जानना और समझना आवश्यक है। भारत विकास परिषद का उद्देश्य भारतीय समाज का सर्वांगीण विकास करना है। इस विकास में सामाजिक, सांस्कृतिक, नैतिक, राष्ट्रीय एवं आध्यात्मिक सभी प्रकार का विकास समाहित है। इस हेतु परिषद सेवा एवं संस्कार द्वारा हर वर्ग लोगों के उत्थान के निरन्तर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम को क्षेत्रीय अध्यक्ष मुकेश जैन, क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल ने भी संबोधित किया। संचालन सुनील सिन्हा और सुनिशा श्रीवास्तव ने किया।

इस अवसर पर भारत भूषण जुनेजा, नवीन श्रीवास्तव, पवन अग्रवाल, सुनील कुमार सिंह, निशा जायसवाल, डॉ आर पी शुक्ल, डॉ डी. के. गुप्ता, डॉ दम्पत्ति सिंह, विनय पाण्डेय, अंकित मोदी, अनुराग शुक्ल, भृगुनाथ त्रिपाठी, प्रमोद तिवारी, अशीष श्रीवास्तव, डॉ कृष्ण कुमार प्रजापति, सन्तोष कुमार शुक्ल, रवीश मिश्र, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, पवन कसौधन, दिनेश सिंह राना, प्रेम शंकर ओझा, शैल शुक्ल, कुलदीप सिंह, विवेक कान्त पाण्डेय, वेद प्रकाश मिश्र, सुशील मिश्र, राजमाता आशिमा सिंह, नीलम सिंह, डॉ निधि, अतुल चित्रगुप्त, सत्य प्रकाश पांडेय, मनीष सिंह, सहदेव दूबे, उमंग शुक्ल, श्याम जी चौधरी, रघुवर पांडेय, बब्बन पांडेय, अविनाश श्रीवास्तव, राम कमल सिंह, राजेश चित्रगुप्त, बीरेन्द्र पांडेय, अंश श्रीवास्तव, कर्नल के सी मिश्र, अंजना श्रीवास्तव, विनोद उपाध्याय, आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 18 नवम्बर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

चुनावी वायदों पर कितना भरोसा

मुफ्त, मुफ्त, मुफ्त... चुनाव आते ही किसी विलयरेंस सेल जैसा माहौल बन जाता है। रस्ते का माल सस्ते में की तर्ज पर राजनीतिक पार्टियां वादे पर वादा करती जाती हैं और अब तो ज्यादातर पार्टियां सरकार बनते ही उन वादों को पूरा करने में भी जुट जाती हैं। कई दशक पहले दक्षिणी राज्यों से शुरू हुआ यह सिलसिला अब करीब–करीब पूरे देश में फैल चुका है। चमत्कारी बात यह है कि हरेक पार्टी ऐसे वादे करती है और दूसरे पर उंगली उठाने का कोई मौका भी नहीं चूकती।

अभी झारखंड और महाराष्ट्र में चुनाव गर्मी पकड़ ही रहा था कि एक बार फिर यह किस्सा खुल गया। मजे की बात यह है कि इस बार वाद–विवाद की शुरुआत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक बयान से हुई और वह भी कांग्रेस की सरकार वाले राज्य कर्नाटक में। खरगे के बयान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लपक लिया और फिर कांग्रेस के नेता भी खुलकर मैदान में उतर गए। शुरुआत इस बात से हुई कि कर्नाटक सरकार महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा देने वाली शक्ति योजना खत्म करने जा रही है। खरगे के सवाल उठाते ही कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उप–मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने तुरंत उन्हें दुरुस्त किया और कहा कि योजना की समीक्षा की बात हुई है, खत्म करने की नहीं। लेकिन यह बात खुले मंच से हुई, जहां पूरे प्रदेश का मीडिया मौजूद था। खरगे ने एक तरह से राज्य के नेताओं को फटकार लगाई और कहा कि उन्हें ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए, जिनका दूसरी पार्टियां फायदा उठा सकें। साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि 'राज्य का बजट देखकर ही गारंटी देनी चाहिए। अगर आप बजट से ज्यादा की गारंटी दे देंगे, तो दिवालिया हो जाएंगे। सड़क बनाने के लिए मिट्टी तक नहीं मिलेगी और लोग आपको दोष देंगे।' उनका यह बयान झारखंड व महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए था। उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस राज्यों के बजट का अध्ययन करेगी और उसके हिसाब से ही एलान किया जाएगा कि क्या गारंटी दी जाएंगी।

खरगे की इस बात से किसी को क्या ऐतराज हो सकता है? जो भी सुनेगा, यही कहेगा कि समझदारी की बात है, राजनीतिक दलों को ऐसा ही करना चाहिए। मगर राजनीति ऐसे तो चलती नहीं है। बीजेपी ने बात पकड़ ली और खुद प्रधानमंत्री मैदान में आ गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गलत वादे करके बेनकाब हो गई है। इसके साथ ही भाजपा ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि सिद्धरमैया सरकार ने कर्नाटक की माली हालत खस्ता कर दी है और सरकार के पास वादे पूरे करने के लिए पैसे नहीं हैं। हालांकि, कांग्रेस की तरफ से इसका खंडन हो रहा है, लेकिन बाकी देश में यह विवाद छिड़ गया है कि चुनावी वादे जनता की भलाई के लिए हैं या फिर वोट जुटाने के लिए रेवड़ी बांटने की कवायद है? और फिर महाराष्ट्र चुनाव के लिए महाविकास आघाड़ी, यानी कांग्रेस गठबंधन की तरफ से पांच गारंटियों का एलान भी हो गया। खुद राहुल गांधी ने यह एलान किया। इनमें महिलाओं के लिए तीन हजार रुपये महीने का भुगतान और महिलाओं व बच्चियों के लिए मुफ्त बस सेवा देने वाली महालक्ष्मी योजना पहली गारंटी है। दूसरी गारंटी है– किसानों के लिए तीन लाख रुपये तक की कर्जमाफी और कर्ज चुकाने वाले किसानों को पचास हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि। इसे कृषि समृद्धि कहा गया है। तीसरी गारंटी है– राज्य में जातिगत गणना और आरक्षण में पचास प्रतिशत की सीमा खत्म करने का एलान। चौथी गारंटी है– पच्चीस लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा और मुफ्त दवाएं। पांचवां वादा है– बेरोजगार नौजवानों को प्रतिमाह चार हजार रुपये तक की सहायता।

मानना चाहिए कि कांग्रेस और उसके साथी दलों ने महाराष्ट्र का बजट पढ़कर ही ये वादे किए होंगे, लेकिन यह सवाल तो उठेगा कि इनमें से कितने वादे पूरे हो पाएंगे और क्या जनता इन पर भरोसा करेगी? यहां यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कांग्रेस के वादों पर सवाल उठाने वाली भाजपा भी महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की 'माझी लाडकी बहीण योजना' पर जबर्दस्त जोर दे रही है।

ये चुनावी वादे हैं या रेवड़ी, यह सवाल दो साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही खड़ा किया था, जब कांग्रेस ने कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के चुनावों में भी महिलाओं और नौजवानों के लिए ऐसे ही वादे किए थे। हिमाचल में कांग्रेस ने दस चुनावी वादे किए थे। तीनों जगह महिलाओं और नौजवानों को लुभाने के लिए उन्हें हर महीने भत्ता देने का वादा हुआ। कह सकते हैं, पार्टी को इसका फायदा भी मिला। लेकिन तेलंगाना में केसीआर और आंध्र में जगन मोहन रेड्डी अपनी सरकारों की कल्याणकारी योजनाएं गिनाते रह गए और वोटरों ने उनका साथ नहीं दिया। जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत में ऐसी ही योजना की बड़ी भूमिका मानी जा रही है। राज्यों के चुनाव को छोड़ भी दें, तो देश की राजनीति में किसान सम्मान योजना, मुफ्त रसोई गैस, मुफ्त शौचालय, मुफ्त घर और मुफ्त अनाज योजना ने जो भूमिका निभाई है, उसे भला कैसे नजरंदाज करेंगे?

नोबेल विजेता अर्थशास्त्री भी अब कह रहे हैं कि आने वाले वक्त में सबके लिए काम जुटाना संभव नहीं होगा, ऐसे में सरकारों को न सिर्फ गरीबों को मदद देने, बल्कि बिना उनके आत्मसम्मान को चोट पहुंचाए मदद का इंतजाम करना पड़ेगा। केंद्र या राज्य सरकारों के हाल देखें, तो वे मदद पहुंचाने में अपना भी राजनीतिक फायदा देख पा रही हैं। सम्मान का सवाल अभी केंद्र में आ नहीं पाया है।

ऐसी परिस्थिति में लखनऊ के मशहूर नवाब आसिफुद्दौला की याद लाजिमी है, जिन्होंने 18वीं सदी में अकाल पीड़ित जनता को राहत देने के लिए इमामबाड़ा जैसी बड़ी इमारत बनवाई थी। इसमें हजारों लोगों को काम दिया गया, ताकि लोग मेहनत करके पैसा कमा सकें, उन्हें खैरात लेने की जिल्लत न झेलनी पड़े। तभी से यह जुमला प्रसिद्ध है– जिसको न दे मौला, उसको दे आसिफुद्दौला। क्या आज इसी अंदाज में राहत देना संभव नहीं रह गया है? काम के बदले अनाज और मनरेगा जैसी योजनाओं को मजबूत करना क्या बेहतर तरीका नहीं होगा? इस सवाल का जवाब सिर्फ सरकारों और राजनेताओं को नहीं, बल्कि उन्हें कुर्सी तक पहुंचाने वाले वोटरों को भी देना होगा।

जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य नीतियां

—दिनेश सी. शर्मा—

अजरबैजान के बाकू में जलवायु वार्ता का वार्षिक दौर खतरे की घंटी के साथ शुरू हुआ है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अपने वार्षिक आकलन में बताया है कि 2024 सबसे गर्म साल रहने का रिकॉर्ड बनाने जा रहा है, जिसमें जनवरी और सितंबर के बीच वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि का पारा औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर से लगभग 1.54 डिग्री सेल्सियस अधिक के आसपास मंडराता रहा। यह एक गंभीर खतरा है क्योंकि यह इजाफा उस 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम सीमा से ऊपर है, जिसे वैज्ञानिकों ने तय किया था और विश्व समुदाय ने उत्सर्जन में कमी लाकर इसको इस हद से नीचा रखने के लिए सहमति बनाई थी।

पेरिस समझौते का लक्ष्य औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर की तुलना में धरती की सतह के औसत वैश्विक तापमान में वृद्धि को दीर्घकाल में 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाना था। जबकि इस वर्ष ला नीना प्रभाव के कारण गर्मी में बढ़ोतरी हो सकती है। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता है कि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड घनत्व निरंतर बढ़ रहा है जो तापमान वृद्धि का कारण बनती है।

तापमान वृद्धि से अतिवृष्टि और बाढ़, तीव्र उष्णकटिबंधीय चक्रवात, जानलेवा गर्मी, सूखा और जंगल की आग जैसे भयावह परिणामों के अलावा अनेक गहरे प्रभाव पड़ रहे हैं। जैसा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने व्याख्या की है : 'जलवायु आपदा स्वास्थ्य को नुकसान, असमानता में बढ़ोतरी और सतत विकास को हानि पहुंचा रही है, यह शांति की नींव को भी हिला रही है'। फंड, उपायों पर अमल और जलवायु वार्ताओं के परिणाम चाहे जो भी हों, दुनिया के सामने यह संकट मुंह बाए खड़ा है।

जलवायु परिवर्तन का स्वास्थ्य पर प्रभाव व्यापक होता है। स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर हालिया रिपोर्ट 'द लैंसेट काउंटडाउन' बताती है रू हर देश में अब लोगों को अपने स्वास्थ्य और अस्तित्व पर बने खतरे का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि जलवायु संकट बढ़ रहे हैं'। सेहत पर प्रभाव डालने वाले कारकों में अब बढ़ती गर्मी प्रमुख वजह है, वर्ष 2023 में लोगों को औसतन 50 से अधिक दिनों तक लगातार प्रचंड गर्मी झेलनी पड़ी, जबकि मौसम में आए बदलावों से पहले ऐसा नहीं होता था। इसके परिणामवश 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में जितने लोगों की मौतें हुई, वे 1990 के दशक के औसत से 167 प्रतिशत अधिक हैं। सर्वेक्षण में पाया कि 31 देशों ने कम–से–कम 100 दिनों से अधिक अवधि के लिए स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बनी गर्मी भुगती, जलवायु परिवर्तन के बिना ऐसा होने की उम्मीद न होती।

गर्मी के असर से शारीरिक गतिविधि और नींद की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे शारीरिक–मानसिक सेहत प्रभावित हो रही है। जो कर्मचारी खुले में या गैर–ठंडे बाहरी वातावरण में काम करते हैं, उन्हें स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है और उनकी उत्पादकता प्रभावित होती है। यह बहुत बड़ा नुकसान है क्योंकि विश्व स्तर पर लगभग 1.6 बिलियन लोग यानि कामकाजी आयु वर्ग की 25.9 प्रतिशत हिस्सा खुले में काम करता है। इसमें कृषि मजदूर, विनिर्माण एवं बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर कार्यरत और अनौपचारिक क्षेत्र में लगे लोग शामिल हैं।

स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का अन्य बड़ा असर यह होगा कि इससे जल–जनित, मच्छर–जनित, खानपान–जनित और वायु–जनित रोगों का प्रसार बढ़ने का खतरा है। बढ़ता तापमान, अतिशयी बारिश एवं सूखा, भूमि उपयोग में बदलाव और मानवीय गतिविधियां इस जोखिम में इजाफा करते हैं। उदाहरणार्थ पिछले 20 सालों में विश्व मेंडेंगू का प्रकोप बढ़ा है। 2023 में, एडीज एजिप्टी जैसे मच्छर का और अधिक इलाकों में फैलाव होने के कारण दुनियाभर में डेंगू के लगभग पचास लाख मामले सामने आए। तापमान वृद्धि के साथ हाल के दशकों में मलेरिया फैलने वाली अवधि भी बढ़ी है। दुनिया का 17 प्रतिशत अतिरिक्त भूभाग पी–फाल्सीपेरम जैसे मलेरिया परजीवियों के फलने–फूलने के अनुकूल हो गया है। जलाशयों के तापमान और लवणता में परिवर्तन के चलते जल जनित रोगों का संक्रमण अधिक फैल रहा है।

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती और जलवायु परिवर्तन धीमा करने को निर्णायक कदम उठाने पर राजनेताओं और नीति निर्माताओं में आम सहमति बनने का दुनिया अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं कर सकती। वार्षिक जलवायु परिवर्तन वार्ताएं अपने–अपने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय आर्थिक हितों की रक्षा सुनिश्चित रखने के प्रयास बनकर रह गई हैं, और ऐसे पैंतरे अपनाए जाते हैं जिससे काम जल्दी होने की बजाय लटका रहे। इसलिए रास्ता यही कि लचीला जलवायु संबंधी तंत्र बने और उस पर अमल हो। हालांकि यह करना भी एक चुनौती है, उदाहरणार्थ, एयर–कंडीशनिंग जैसा उपाय अपनाना गर्मी के बढ़ते प्रकोप का स्थायी हल नहीं। यह महंगा व ऊर्जा की भारी खपत करने वाला है ,गर्मी के उत्सर्जन में योगदान करता है। इससे शहरी क्षेत्रों में, वाणिज्यिक और आवासीय भवनों में एयर–कंडीशनर के अत्यधिक उपयोग से बना 'हीट आइलैंड' बढ़ता है। इसलिए, हमें अक्षय ऊर्जा के साथ–साथ नवीकरणीय कम ऊर्जा खपत वाली शीतलन तकनीकों द्वारा संचालित एयर–कंडीशनिंग चाहिये।

डेंगू जैसी चुनौतियों के लिए, हमें जोखिम कम करने, एकीकृत मच्छर नियंत्रण उपायों और स्वास्थ्य प्रणालियों को अधिक प्रतिक्रियाशील बनाने पर जोर देने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र को भी अपने उत्सर्जन में कटौती करनी होगी दृ वर्तमान में, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं का हिस्सा 5 प्रतिशत है। डब्ल्यूएचओ ने कॉप–29 सम्मेलन से पहले जारी की रिपोर्ट में बताया है कि स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए शहरों पर ध्यान देना आवश्यक है। शहरी नीतियां कुछ ऐसी बनाई जाती हैं जिनका असर वायु गुणवत्ता, परिवहन, ऊर्जा उपयोग, शहरी डिजाइन, हरित क्षेत्र, आवास और भोजन की पहुंच पर होता है और यह आगे सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। इसलिए, कम कार्बन और स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों वाले बदलाव लाने में देरी मानव स्वास्थ्य के लिए बड़ी हानि है।

स्वास्थ्य पर जलवायु बदलावों का असर कम करने वाले तमाम उपायों पर काम करने की गाड़ी आखिर में आकर नई व्यवस्था और बेहतर विकल्प अपनाने पर होने वाले खर्च पर आकर अटक जाती है। इस हेतु अरबों डॉलर का अतिरिक्त फंड, जिसे देने का विकसित राष्ट्रों ने वादा किया था, शायद ही कभी पूरा हुआ हो। जलवायु सुधार फंड जुटाना एक जटिल मुद्दा है, उम्मीद करें कि बाकू में इस पर सार्थक प्रगति हो पाएगी। हालांकि, यह लगता नहीं, क्योंकि अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और ब्राजील सहित शीर्ष विश्व नेताओं ने वार्ता के शिखर सम्मेलन वाले सत्र में भाग न लेने का फैसला किया है।

जैसा कि डब्ल्यूएचओ का कहना है कि जलवायु–फंड अंततः स्वास्थ्य–फंड है। जहां एक ओर जलवायु कार्रवाई के लिए धन का इंतजाम मानव स्वास्थ्य और अस्तित्व के लिए जरूरी प्रणालियों को बचाने में मदद कर सकता है वहीं स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष प्रभावों को कम करने और परस्पर जुड़े लाभ प्रदान करने में मदद कर सकता है। वर्तमान में, इस हेतु बना फंड बहुत कम है तिसपर उपलब्ध निधियों (ऋण, कर्ज आदि) का नाम बदलकर जलवायु–फंड किया जा रहा है। विकासशील और गरीब देशों को जलवायु सुधार, विशेष रूप से स्वास्थ्य अनुकूलन के लिए, अतिरिक्त फंड की आवश्यकता है। जलवायु और स्वास्थ्य नीतियों में तारतम्य बनाने का समय आ गया है क्योंकि मानव स्वास्थ्य और पृथ्वी की सेहत का नाता गहरे तक जुड़ा है।— लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के माहिर हैं।

बुल्डोजर के नाम पर..?

—तनवीर जाफरी—

भारतीय राजनीति का स्वरूप अब बदल चुका है। अब हाथ जोड़कर विनम्रता प्रदर्शित करते नेताओं का युग शायद चला गया। कम से कम आज के दौर के नेताओं के तेवर उनके मुंह से निकलने वाले जहरीले शब्द बाणों, उनकी नीयत व कार्यशैली आदि को देखकर तो यही लगता है। खासतौर पर गत एक दशक से जब से दक्षिणपंथी शक्तियों के हाथों में देश की सत्ता आई है तब से केंद्र व अनेक राज्य सरकारों द्वारा कई ऐसे फैसले लिये गये जिनके कारण देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में भारतीय तर्ज–ए–सियासत की खूब आलोचना हुई। भारतीय जनता पार्टी शासित विभिन्न राज्य सरकारों का ऐसा ही एक मनमाना व अमानवीय निर्णय था श्बुलडोजर न्याय श्। हालांकि देश की विभिन्न अदालतों द्वारा पहले भी इस विषय पर संज्ञान लिया जा चुका है। परन्तु पिछले दिनों देश के सर्वोच्च न्यायालय ने इस सम्बन्ध में नये व सख्त दिशा–निर्देश के जारी किये और कहा कि उसका यह आदेश हर राज्य में भेजा जाए और सारे अधिकारियों को इसके बारे में बताया जाए।

सर्वोच्च न्यायालय की जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की दो जजों की पीठ ने कहा है कि किसी व्यक्ति के घर या संपत्ति को केवल इसलिए तोड़ना कि वह अपराधी है या उन पर अपराध के आरोप हैं, कानून के खिलाफ है। न्यायालय ने कहा कि घर या कोई जायदाद तोड़ने से पहले कम से कम 15 दिन का नोटिस देना होगा। अगर किसी राज्य के कानून में इससे लंबे नोटिस का प्रावधान हो तो उसका पालन करना होगा। यह नोटिस रजिस्टर्ड पोस्ट से देना होगा। इसके साथ ही कथित गैर कधनूनी ढांचे पर भी इस नोटिस को चिपकाना होगा। नोटिस पर पहले की तारीख न दी जाए। इसके लिए नोटिस की एक कॉपी कलेक्टरध्जिला मजिस्ट्रेट को भी ईमेल पर भेजनी होगी। सर्वोच्च न्यायालय के दिशा–निर्देश में कहा गया है कि नोटिस में ये भी लिखना होगा कि कौन से कानून का उल्लंघन हुआ है,इस मामले में सुनवाई कब होगी। और जब सुनवाई हो तो उसका पूरा विवरण भी रिकॉर्ड करना होगा। न्यायालय के दिशा–निर्देश में यह भी कहा गया है कि सुनवाई करने के बाद अधिकारियों को अपने आदेश में वजह भी बतानी होगी। इसमें ये भी देखना होगा कि किसी संपत्ति का एक हिस्सा गैर कधनूनी है या पूरी संपत्ति ही गैर कधनूनी है। न्यायालय के अनुसार यदि तोड़–फोड़ की जगह, जुर्माना या और कोई दंड दिया जा सकता है तो वह दिया जाएगा। और यदि कधनून में संपत्ति तोड़ने या गिराने के आदेश के खिलाफ कोर्ट में अपील करने का प्रावधान है तो उसका पालन किया जाना चाहिए। दिशा–निर्देश के मुताबिकध्अगर ऐसा प्रावधान नहीं भी है, तो आदेश आने के बाद संपत्ति के मालिकध्मालकिन को 15 दिन का समय मिलेगा ताकि वे स्वयं ही गैर कानूनी ढांचे को सही कर लें। यदि ऐसा नहीं हो, तब ही इसे तोड़ने की कार्रवाई की जा सकती है। श्बुलडोजर न्याय श् को लेकर आये सर्वोच्च न्यायालय के इन राहत भरे निर्देशों के बाद अब यह माना जा रहा है कि इस महत्वपूर्ण फैसले से बुलडोजर से की जा रही विध्वंस की गैर–कधनूनी कार्रवाइयों पर अब रोक लगेगी।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम,हरियाणा जैसे अनेक भाजपा शासित राज्यों में गत एक दशक के दौरान सैकड़ों घरों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को बुलडोजर न्याय के नाम पर जमींदोज किया जा चुका है। सरकारें व प्रशासन खुद ही न्यायलय की भूमिका अदा करता रहा है। किसी के मकान को इसलिये ध्वस्त कर दिया गया कि वह किसी आरोपी का मकान है। तो किसी मकान या भवन को इसलिये गिरा दिया गया कि वह अनधिकृत निर्माण है,उसके पास नक्शा व निर्माण की अनुमति नहीं है,आदि। दरअसल इस तरह की कार्रवाई से पहले मौजूदा सत्ताधीश के तेवर व उनके शब्दों पर यदि गौर करें तो स्वयं ही साफ हो जाता है कि सरकार व प्रशासन द्वारा बुलडोजर कार्रवाई कोई न्याय की मिसाल कायम करने के लिये नहीं की जाती थी। बल्कि इसके पीछे साम्प्रदायिक व जातिवादी कुंठा काम कर रही थी। यही वजह है कि पूरे देश में अब तक जितनी भी बुलडोजर कार्रवाइयां हुई हैं उनमें सबसे अधिक भवनों का ध्वस्तीकरण एक ही समुदाय के लोगों का ही हुआ है। हद तो यह है कि मध्य प्रदेश में एक घटना तो ऐसी भी हुई कि एक आरोपी किसी किराये के मकान में रहता था। परन्तु इस कुंठाग्रस्त सरकार व प्रशासन ने नफरत की आग में जलते हुये उस मकान को भी ध्वस्त कर दिया।

जहाँ तक अवैध निर्माण बताकर किसी भवन को गिराने का विषय है तो इस सम्बन्ध में समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव द्वारा उत्तर प्रदेश विधान सभा में उठाये गये इस सवाल की भी अनदेखी नहीं की जा सकती जिसमें वे कई बार पूछ चुके हैं कि क्या उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री निवास का नक्शा पारित है ? यदि है तो कहाँ है,किसके पास है,किसने देखा है ? अखिलेश के कहने का मतलब साफ है कि जिस भवन में बैठकर लोगों के भवन अवैध बताकर गिरवाये जा रहे हैं वही भवन अवैध रूप से निर्मित है।

सुसंस्कृत,शिक्षित नारियां राष्ट्र की धरोहर

—संजीव ठाकुर—

भारत में ही नहीं पूरे विश्व में स्त्रियां उनके नैसर्गिक सम्मान की हकदार हैंस स्त्रियों का यथोचित सम्मान ही किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास की धुरी हैं। पुरानी मान्यताओं को देखते हुए परिवार समाज तथा देश में स्त्रियों को अग्रणी स्थान देना तय किया जाना चाहिए । भारत देश में नारी पूज्यते हैं, नारी को नौ देवियों का स्वरूप माना जाता है । शास्त्रों में देवी के नौ स्वरूप शैलपुत्री,ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, महागौरी,कालरात्रि, सिद्धिदात्री, देवियों के नौ रूप जो आतताइयों, राक्षसों से नारियों तथा देवताओं की रक्षा करती हैं पर भारत में ही नहीं पूरे विश्व में मुख्यतः व्याप्त पुरुष प्रधान समाज ने एक ऐसी सामाजिक संरचना का निर्माण किया है, जिसमें प्रत्येक निर्णय लेने संबंधित अधिकार पुरुषों के पास ही सीमित रहे हैंद्ध आदिम समाज से लेकर आधुनिक समाज तक विश्व की आधी दुनिया के प्रति भेदभाव पूर्ण दृष्टिकोण रखा गया हैद्ध जिसने कभी भी स्त्री को व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया हैद्ध भारतीय समाज में भी प्राचीन नीतिकारों ने स्त्रियों को पिता, भाई, पति या पुत्र के संरक्षण में ही सामाजिक जीवन जीने की शास्वत वकालत की हैद्ध हमारे धर्म धर्मशास्त्रों में भी "प्राप्ते तू दशम वर्षेयस्तु कन्या न यछसी",अर्थात कन्या को 10 वर्ष तक पहुंचते–पहुंचते उसका विवाह कर दिया जाना चाहिएद्धइस तरह की कुंठित भावनाओं से ग्रसित पुरुष समाज की मानसिकता वाली शिक्षा हर तरफ देखने मिलती है। यह सच है कि पुरुष प्रधान मानसिकता ने स्त्रियों को स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार ही नहीं किया थाद्ध बल्कि तथाकथित लोकतांत्रिक एवं आधुनिक मूल्यों वाले

पश्चिमी समाज ने महिलाओं को 1920 तक व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया था। पश्चिम के देशों में व्यक्ति मतलब उनका तात्पर्य पुरुष और पुरुष समाज से ही थाद्ध इंग्लैंड में व्यक्ति को वोट देने का अधिकार थाद्ध लेकिन महिलाएं 1918 तक वोट देने के अधिकार से वंचित थीद्ध अमेरिका में 1920 तक महिलाएं वोट देने का अधिकार के बिना ही जीवन यापन कर रही थी। विश्व में पहली बार भारत में व्यक्ति के अंतर्गत महिला को शामिल किया गया था इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कोरनेलिया सोराबजी नामक महिला के वकालत करने संबंधी आवेदन को एक व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया। इस तरह 1920 में महिला व्यक्ति के रूप में भारत में उच्च न्यायालय द्वारा आदेश देकर स्वीकारोक्ति प्रदान की गई, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1929 के आसपास ही महिला को व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया गया। भारत में सदैव नारी को अबला का दर्जा दिया जा कर एक अवैतनिक श्रमिक अथवा भोग की वस्तु के रूप में देखा हैद्ध जहां समाज की आधी आबादी को व्यक्ति का दर्जा ही प्राप्त नहीं हो, वहां उसके साथ समानता के व्यवहार की अपेक्षा कैसे की जा सकती हैद्धपूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन ने नारी को पुरुष से ज्यादा सामर्थ्यवान मानते हुए उसे न"की सहचरी कहा है। प्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन ने अपने एक लेख में कहा है वास्तव में स्त्रियां जन्म से अबला नहीं होती हैं, उन्हें पुरुष समाज अबला बनाकर रखता है, जन्म से शिशु बालिका की जीवन शक्ति शिशु बालक की तुलना में बहुत प्रबल होती है, लेकिन समाज अपनी संस्कृति, रीति रिवाज,प्रतिमान तथा जीवन के मूल्यों के लिए तथा जीवन शैली के चलते नारी को अबला बना कर रख देता है। पर आज नारी के क्रांतिकारी दर्शन जैसे नारीवाद पर्यावरण वाद मानव अधिकार वाद ने नारी यानी महिला को बराबरी का दर्जा देने का लगातार प्रयास किया है। महिला सशक्तिकरण के प्रयास में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस का आयोजन किया जाता है, जिसकी शुरुआत अमेरिका द्वारा 28 जनवरी 19 को की गई थी आगे चलकर रूस की महिलाओं द्वारा 1917 में महिला दिवस पर रोटी कपड़ा एवं बराबरी के लिए अधिकार की मांग रख हड़ताल भी की गई थीद्ध भारत के परिपेक्ष में देश में नारियों का ऐसा वर्ग भी है जो सजग जागरूक शिक्षित एवं नौकरी पेशा हैद्धउसे अपने अधिकार का तथा सामर्थ का पूर्ण ज्ञान है ।भारत की महिला आज पुरुषों के साथ स्वास्थ्य, इंजीनियरिंग ,थल,जल, वायु सेना, रेल, बस,प्रशासन तथा अंतरिक्ष में कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही हैद्ध राजनीति में वैश्विक स्तर पर श्रीलंका की श्री मांओ भंडार नायके, ब्रिटेन की मार्गरेट थैचर, भारत की श्रीमती इंदिरा गांधी,इजराइल की गोल्डा मायर ऐसी महिलाएं थी, जिन्होंने इतिहास बनाया है ।वर्तमान में भारतीय मूल की अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीता रमन तथा मंत्री स्मृति ईरानी, किरण बेदी तथा अंतरिक्ष विज्ञानी स्वर्गीय कल्पना चावला ऐसे उदाहरण है इसके अलावा देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने तो इतिहास ही रच दिया है उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेंगा। महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपना परचम फैला रही हैद्ध भारत सरकार में भी सशक्त महिलाएं कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त कर सरकार में अपनी सहभागिता प्रदान कर रही है। अंतरिक्ष में भारतीय मूल की कल्पना चावला ने अपना सर्वस्व त्याग कर राष्ट्र का गौरव बढ़ाया है।

सड़क पर लहूलुहान मिला युवक, मौत घर वालों ने लगाया हत्या का आरोप

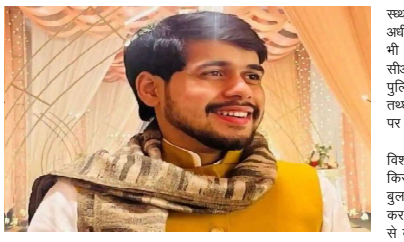

संवाददाता—देवरिया। विशाल सिंह नामक एक युवक सड़क पर लहूलुहान हालत में पाया गया। उसे आनन—फानन में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घरवाले हत्या का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि विशाल सिंह को कोई घर से बुलाकर ले गया था। विशाल सिंह पिछले कुछ दिनों से करणी सेना भारत से जुड़े थे। वह देवरिया में नेहाल सिंह हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर करणी सेना भारत की ओर से चलाए जा रहे आंदोलन में सक्रिय थे। वह लगातार नेहाल सिंह के परिवार के संपर्क में थे।

घटना देवरिया जिले के एकौना थाना क्षेत्र के हौली बलिया गांव में शनिवार की रात में हुई। हौली बलिया गांव के विनीत सिंह के बेटे विशाल सिंह (उम्र 22 साल) पिछले कुछ समय से सामाजिक कार्यों में काफी सक्रिय थे। घरवालों के अनुसार शनिवार रात करीब नौ बजे उन्हें किसी ने घर से बाहर बुलाया। कुछ देर बाद वह रुद्रपुर—करहकोल मार्ग पर घायल अवस्था में मिले। परिवारीजन उन्हें लेकर गोरखपुर में एक प्राइवेट अस्पताल पर गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हत्या की आशंका जता रहे परिवार के लोग इसका कोई स्पष्ट कारण अभी नहीं बता पा रहे हैं। स्थ्थानीय पुलिस के साथ अपर पुलिस अधीक्षक दीपेन्द्र चौधरी और सीओ ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। सीओ अंशुमन श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस जांच में जुटी है। जो भी तथ्ध्य सामने आएंगे उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

घरवालों का कहना है कि विशाल सिंह को शनिवार की रात किसी ने फोन करके घर से बाहर बुलाया। इसके बाद उनकी हत्या कर दी गई। मोबाइल से वह किस से बात कर रहे थे और किस बात को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस यह पता करने में जुटी है। पुलिस मृतक का मोबाइल कब्जे में लेकर जांच कर रही है।

एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि युवक का शव रात में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। इस संबंध में परिजनों द्वारा आपसी रंजिश में हत्या की आशंका जताई जा रही है। जो भी तहरीर परिजनों द्वारा दी जाएगी। उस पर सुसंगत धाराओं में केस दर्ज किया जाएगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सभी पहलुओं की पुलिस गहनता से छानबीन कर रही है जो भी चीजें सामने आएंगी उन पर आगे विधिक कार्रवाई की जाएगी।

छत पर हाईटेंशन तार की चपेट में आई महिला, दर्दनाक मौत

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा कस्बे के बिस्मिल नगर मोहल्ले में करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई है। यह हादसा तब हुआ जब महिला हाईटेंशन तार की चपेट में आये मिस्त्री सूरज को बचाने का प्रयास कर रही थी। घटनास्थल पर चीख—पुकार सुन लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। घायल मिस्त्री सूरज एवं महिला मोबीना खातून को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। घायल मिस्त्री की भी हालत नाजुक बनी हुई है। मृतका मोबीना खातून के छत पर बाथरूम की फिनिशिंग का काम हो रहा था। क्षेत्र के खैराटी टोला नवडिहवा निवासी मिस्त्री सूरज छत के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। महिला भी कुछ ही दूर पर मौजूद थी। वह मिस्त्री को बचाने के प्रयास में लग गयी। मिस्त्री को तो करंट से छुड़ा लिया, लेकिन वह खुद करंट की चपेट में आ गई। दोनों वहीं बुरी तरह छटपटाने लगे। मोहल्ले के लोगों ने आनन—फानन में दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक महिला मोबिना खातून दम तोड़ चुकी थी। इस हादसे के बाद मोहल्ले में मातम पसर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस भी मामले की जांच—पड़ताल में जुट गई।

धर्मेन्द्र कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। महिला की मौत हो गई है। परिजन पोस्टमार्टम की कार्रवाई से इनकार कर रहे हैं। एक घायल का इलाज चल रहा है। घटना की जांच कर जरूरी कार्रवाई होगी।

देश में कुश्ती लगातार हो रही बर्बाद, कांग्रेस भी भुगतेगी खामियाजा –बृजभूषण सिंह

संवाददाता—गोंडा। ये कुश्ती का दुर्भाग्य है। दो वर्ष से लगातार यह लोग कुश्ती को बाधित कर रहे हैं। जब यह लोग धरने पर बैठे थे तब कह रहे थे कि हम कुश्ती को बचाने के लिए आए हैं और इसीलिए हम लोग धरना कर रहे हैं। लगातार ये कोई न कोई याचिका हाईकोर्ट में डालते हैं और खेल को रोकने की बात करते हैं। यह प्रतिक्रिया भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह ने पहलवान बजरंग पूनिया द्वारा भारतीय कुश्ती संघ को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल की गई याचिका पर दी है। नवाबगंज के विश्नोहरपुर स्थित आवास पर पूर्व सांसद ने कहा कि यह लोग पूरी देश की कुश्ती को खत्म करना चाहते हैं। बजरंग पूनिया कांग्रेस के नेता है और कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। देश की कुश्ती लगातार बर्बाद हो रही है, कांग्रेस को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इससे पहले साक्षी मलिक के पति सत्यव्रत कादयान ने याचिका डाली थी, लेकिन कुश्ती विश्व चौंपियनशिप में शामिल होने गई और मेडल लेकर आई।

अब नेशनल कुश्ती होनी है, इसमें प्रतिभाग करने वाले बच्चे प्रमाण पत्र पाते हैं और वह नौकरी में काम आता है। अब इन्हें रोकने के लिए एक याचिका दाखिल की गई है। पूर्व सांसद ने कहा कि भारतीय कुश्ती संघ ही प्रतियोगिता कराता है और वहीं खिलाड़ियों का चयन ट्रायल कराता है। हाईकोर्ट ने नेशनल चौंपियनशिप के आयोजन पर रोक नहीं लगाया है और सुनवाई के लिए तारीख दी है। पूर्व सांसद ने कहा कि दो वर्ष से कैंप नहीं चल रहा है। यदि लखनऊ में कैंप चलने में दिक्कत है तो महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व राजस्थान में लगवाएं। पूर्व सांसद ने जन समस्याओं की सुनवाई करके लोगों को समाधान कराने का आश्वासन दिया। सांसद प्रतिनिधि सोनू सिंह, पिंटू सिंह, पिंकल सिंह उपस्थित रहे।

बता दें भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कुश्ती विवाद पर तंज कसते हुए पहले मीडिया से बातचीत में कहा था कि मैं झुक जाता तो सारे मसले हल हो जाते, लेकिन मेरे किरदार का कत्ल हो जाता।

बाइक मांगने को लेकर हुई कहासुनी एक ने दूसरे को पीट–पीटकर मार डाला

संवाददाता—श्रावस्ती। रविवार को दो पक्षों में बाइक मांगने को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी इतनी बढ़ी कि मारपीट में तब्दील हो गई। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के युवक ननके को पीट—पीटकर मार डाला। घटना से गांव में अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई। घटना भिनगा कोतवाली क्षेत्र के केरवनिया जानकी नगर गांव की है। गांव निवासी सुनील (26) की बाइक गांव के ही जिलेदार का छोटा भाई मांग कर ले गया था। वापस देने के दौरान बाइक गिर गई थी। इसी बात को लेकर जिलेदार का सुनील के चाचा ननके उर्फ रामस्वरूप (49) से शाम करीब सात बजे कहासुनी हो गई। जिलेदार का आरोप था कि यदि बाइक स गिर कर उसका भाई घायल हो जाता तो उसका जिम्मेदार कौन होता। इसी बात को लेकर दोनों आपस में भिड़ गए। तभी जिलेदार ने बांस की बल्ली से ननके के सिर पर वार कर दिया। जिससे वह बेहोश होकर गिर गए। चाचा को बचाने पहुंचे सुनील को जानमाल की धमकी देते हुए जिलेदार ने मारा पीटा। ग्रामीणों को आता देख आरोपी मौके से फरार हो गया। दोनों घायलों को एंबुलेंस से संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा लाया गया। जहां इलाज के दौरान ननके की मौत हो गई। मामले में मृतक की पत्नी केवली ने जिलेदार पर अपने पति की हत्या करने व भतीजे को जानमाल की धमकी देने व गाली देने का आरोप लगाते हुए भिनगा कोतवाली में तहरीर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस बारे में एएसपी प्रवीण कुमार यादव का कहना है कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपी घर छोड़ कर फरार है, जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

मकाना का ताला तोडकर लाखों की चोरी

संवाददाता—महराजगंज। ठंड और कोहरा पड़ना शुरू होते ही इसका फायदा चोर उठाने लगे हैं। चोरों ने शनिवार की रात में नगर पंचायत निचलौल के कृष्णानगर मोहल्ले में एक किराना व्यवसायी के मकान का ताला तोड़कर कीमती सामान उड़ा लिया। घटना के समय घर के लोग कस्बे में दूसरे मकान पर गए हुए थे। किराना व्यवसायी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। निचलौल कस्बे के चिउटहा मोड़ पर आजादनगर मोहल्ले में पवन मद्धेशिया की किराना की दुकान है। उनका एक नया मकान कृष्णानगर मोहल्ले में है। उनका परिवार रात में पुराने मकान पर चला गया था। कृष्णानगर मोहल्ले वाले मकान में ताला बन्द था। रात में चोरों ने ताला तोड़कर घर में रखा नगदी पांच हजार रुपये, कपड़ा, मोटर आदि चुरा लिया। एसओ गौरव कन्नौजिया का कहना रहा कि चोरी की सूचना मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चोरों ने इतने इत्मीनान से चोरी की कि मच्छरों के प्रकोप से बचने के लिए बकायदा मच्छर भगाने वाला क्वायल जलाया। चोरों ने जगह—जगह गुटखा थूककर घर में गंदगी भी फैलाई थी।

दो सब इंस्पेक्टर लाइन हाजिर, 14 उपनिरीक्षक का किया ट्रांसफर

संवाददाता—बहराइच। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने फखरपुर के उपनिरीक्षक और गंडारा चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर कर दिया है। शनिवार की देर रात एसपी ने 16 उप निरीक्षकों कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने उपनिरीक्षक धर्म प्रकाश को पुलिस लाइन से कैसरगंज कोतवाली के गंडारा चौकी का इंचार्ज बनाया गया है। जबकि गंडारा चौकी के इंचार्ज रहे सूरपति त्रिपाठी को लाइन हाजिर कर दिया गया है। उपनिरीक्षक त्रिलोकी नाथ मौर्या को रिसिया थाने से हटाकर खैरी घाट थाना के बैवाही का चौकी इंचार्ज बनाया गया है। बैवाही चौकी के इंचार्ज रहे राजीव कुमार मिश्रा को नवाबगंज थाना के चौकी समतलीय का प्रभार दिया गया है। उपनिरीक्षक राम गोविंद वर्मा को रुपईडीहा थाने के बाबागंज चौकी से हटकर कोतवाली नानपारा के राजा बाजार चौकी का इंचार्ज बनाया गया है। राम सुधार यादव को राजा बाजार चौकी से रिसिया थाने पर तैनाती दी गई है। वरिष्ठ उप निरीक्षक अनिल कुमार यादव को रुपईडीहा से बाबागंज चौकी का इंचार्ज बनाया गया है। हरिद्वार तिवारी को थाना मोतीपुर से जरवल रोड के घाघरा घाट चौकी का प्रभारी बनाया गया है। उप निरीक्षक आदित्य कुमार को घाघरा घाट से जरवल रोड उप निरीक्षक विकास कुमार वर्मा को फखरपुर से चौकी प्रभारी मल्लावा थाना पयागपुर, उपनिरीक्षक उमेश चंद को मल्लावां चौकी से रिसिया थाना उपनिरीक्षक राजेश कुमार को रिसिया से चौकी प्रभारी गुरगुट्टा कोतवाली नानपारा, उप निरीक्षक महेश चंद को चौकी प्रभारी गुरगुट्टा से थाना दरगाह शरीफ, शैलेंद्र कुमार यादव को थाना फखरपुर से पुलिस लाइन, उप निरीक्षक हरेंद्र नाथ राय को थाना बोड़ी का वरिष्ठ उप निरीक्षक बनाया गया है। नानपारा कोतवाली में तैनात रहे नरसिंह को वरिष्ठ उप निरीक्षक बनाया गया है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष व उनके दो भाईयों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज

संवाददाता—देवरिया। मईल थाना क्षेध्त्र के चकरा गोसाई के रहने वाले एक दुकानदार की एम्स में मौत के बाद शनिवार को उसके परिजन व ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने शव गांव के सामने सड़क पर रख मईल—मुसैला मार्ग को जाम कर दिया। ये लोग कांग्रेस जिलाध्यक्ष व उनके दो भाईयों की उत्पीड़न से मौत का आरोप लगा रहे थे। मौके पर पहुंचे सीओॉ तहसीलदार ने समझा—बुझा कर जाम खत्म कराया। मामले में पुलिस ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष व उनके दो भाईयों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। चकरा गोसाई के रहने वाले गया मद्देशिया (56) पुत्र हरख चंद्र मद्देशिया गांव में ही किराने की दुकान चलाते थे। उनका दो मंजिला पुराना मकान चकरा गांव में मुख्य मार्ग पर है। कुछ दिन पूर्व गया मद्देशिया उस मकान की मरम्मत करा रहे थे। आरोप है कि गांव के पूर्व प्रधान गणेश गिरी, उनके भाई व कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामजी गिरी व भगवान गिरी ने मिलकर मकान का कार्य होने से रोक दिया। मकान बनवाने के एवज में दो लाख रुपये की मांग की। गया मद्देशिया पैसा देने से मना किए तो उनको पूर्व प्रधान ने अपशब्दों का प्रयोग कर पिस्टल से मारने की धमकी दी । आरोप है कि इस सदमें से गया की तबियत 12 नवंबर को खराब हो गई। इसके बाद परिजन उन्हें देवरिया स्थित एक नर्सिंग होम में ले गए। वहां से स्थिति गंभीर देख डाक्टर ने उन्हें गोरखपुर रेफर कर दिया। एम्स गोरखपुर में इलाज के दौरान शनिवार को गया मद्देशिया की मौत हो गई। उनकी मौत के बाद परिजनों ने चकरा गोसाई में मईल—मुसैला मार्ग पर शव रखकर सड़क जाम कर दिया। इस दौरान आक्रोशित भीड़ पूर्व प्रधान व उनके भाइयों के विरूद्ध नारेबाजी करते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग करने लगी। तीन घंटे तक रहे सड़क जाम के बाद तहसीलदार अलका सिंहॉ सीओ बरहज आदित्य गौतम, मईलॉ बरहज व भलुअनी थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और समझा—बुझाकर जाम समाप्त कराया। सपा सांसद रमाशंकर विद्यार्थी, भाजपा विधायक दीपक मिश्र शाका भी मौके पर पहुंच घटना की जानकारी लिया और न्याय दिलाने की बात कही। इस मामले में मृतक गया के बड़े पुत्र भाजपा के बूथ अध्यक्ष तारकेश्वर मद्देशिया की तहरीर पर मईल पुलिस ने कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामजी गिरी व उनके भाई व पूर्व प्रधान गणेश गिरी व भगवान गिरी पुत्रगण ओंकार के विरूद्ध गैर इरादतन हत्या तथा रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज किया है। इस संबंध में कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। उनके भाई व पूर्व प्रधान गणेश गिरी ने पूछने पर कहा कि लगाया गया आरोप झूठा है। गया मद्देशिया की मौत स्वाभाविक हुई हैं। वे लम्बे दिन से बीमार चल रहे थे। भूमि का मामला है जो शिव मंदिर व ब्रम्हस्थान के नाम से है। उसकी पैमाइश के लिए तहसील प्रशासन व जिला प्रशासन को मेरे द्वारा पत्रक दिया गया है। उनसे हमारा कोई विवाद नही है। आदित्य गौतम, क्षेत्राधिकारी ने कहा कि एक व्यक्ति की मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया था। वे लोग एक पूर्व प्रधान व उनके दो भाईयों पर उत्पीड़न का आरोप लगा रहे थे। समझा—बुझा कर जाम समाप्त करा दिया गया। मामले में तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अभद्रता व छेड़छाड़ मामले को लेकर अखिल भारतीय जय गुरु संप्रदाय ट्रस्ट ने लिया बड़ा एक्शन

—भारतीय बस्ती संवाददात—

अयोध्या ।रामनगरी में परिक्रमा करने आई एक महिला श्रद्धालु से धन की मांग के साथ अभद्रता व छेड़छाड़ मामले को लेकर अखिल भारतीय जय गुरु संप्रदाय ट्रस्ट ने बड़ा एक्शन लिया है। ट्रस्ट के राष्ट्रीय महासचिव प्रियनाथ चट्टोपाध्याय ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने पत्र भेजा है और कहा कि हमारे सम्प्रदाय में श्री ओंकार नाथ मिशन जयगुरु सम्प्रदाय में महिलाओं को देवी का दर्जा दिया है और देवी आराधना की विशेष महत्त्व है हमारे यहां। महासचिव प्रियनाथ चट्टोपाध्याय ने कहा कि हमारे सम्प्रदाय के सुरसरि मंदिर अयोध्या धाम में एक रामभक्त महिला से अभद्रता का मामला जब से सामने आया है तभी से हमारे महाराज जी श्री किंकर विठ्ठल जी ने कहा कि जो भी दोषी लोग है उन पर कठोर से कठोर कार्रवाई हो। प्रियनाथ जी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र भेज कर आरोपी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने का अनुरोध किया गया है। इधर पीड़ित महिला श्रद्धालु द्वारा घटना की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर किए जाने तथा 7 दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक कोतवाली अयोध्या पुलिस की ओर से कोई जांच शुरू नहीं की गई है जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शुरू किए गए मिशन शक्ति अभियान की रामनगरी में सार्थकता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।मालूम हो की यह घटना रामनगरी में नयाघाट स्थित अति प्राचीन सुरसर मंदिर की जहां बीते 9 नवंबर को सिद्धार्थनगर जिले से परिक्रमा करने आई एक महिला श्रद्धालु ने मंदिर के एक कथित कर्मचारी पर अवैध रूप से धन की मांग किए जाने के साथ छेड़छाड़ व अभद्रता का आरोप लगाया था ।पीड़ित महिला के मुताबिक वह अपने साथ आए लोगों के साथ अपने गुरु स्थान सुरसर मंदिर में आकर रात रुकी थी ।परिक्रमा करके वापस लौटने पर शाम करीब साढ़े आठ बजे खुद को मंदिर का कर्मचारी बताने वाला भोला जायसवाल मंदिर की यज्ञशाला में उसके पास आकर मंदिर में रुकने के एवज पांच हजार रुपए की मांगने लगा ।जब उसने बताया कि वो और उसके साथ आए लोग मंदिर के पुराने भक्त हैं।

मणिराम दास छावनी से चित्रकूट के लिए निकली 52 वीं भरत यात्रा

—भारतीय बस्ती संवाददात—

अयोध्या। दशकों से चले आ रहे परम्परागत आयोजन की कड़ी में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या से आज 52 वी श्रीभरत यात्रा मणिराम दास जी छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास शास्त्री के संयोजन मे वैदिक मंत्रोच्चारण और भरत शत्रुघ्न के स्वरूप पूजन के उपरांत रविवार को प्रातः चित्रकूट हेतु प्रस्थान हुई ।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अध्यक्ष मणिराम दास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास महाराज के आशिर्वाद से सैकड़ो संत धर्माचार्यों और भरत वा शत्रुघ्न के स्वरूप को लेकर एक दर्जन वाहनों से चित्रकूट के लिए रवाना हुई, यात्रा विभिन्न दर्शनीय स्थलो पर दर्शन पूजन अनुष्ठान करते हुए नंदीग्राम,सुलतानपुर, प्रतापगढ़ ,प्रयागराज होते चित्रकूट 19 को चित्रकूट पहुंचेंगे 20 नवंबर को भरत मिलाप का भव्य कार्यक्रम होगा और 21 नवंबर को पुनः है यात्रा अयोध्या पहुंचेगी।

इस दौरान मार्ग मे संतों का प्रवचन श्रीराम लीला तथा वृहदस्तर पर भोजन भंडारे का भी भक्तों द्वारा आयोजन होगा ।यात्रा प्रस्थान कराने से पूर्व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अध्यक्ष और मणिराम दास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास महाराज ने भरत शत्रुध्न के स्वरूप का अपने कक्ष में पूजन किया और यात्रियों को अपना आशीर्वाद देकर विदा किया ।यात्रा का संयोजन कर रहे उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने कहा संसार के इतिहास में सबसे प्राचीन ऐतिहासिक ग्रन्थ महर्षि वाल्मीकि रामायण है। इस धर्मग्रंथ में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम सहित भरत जी के पावन आदर्श जीवन का चरित्र चित्रण है। राम के अनुज भरत जी ने भ्रातृत्व वा भ्रातृ—प्रेम और पारिवारिक जीवन मूल्यों की ऐसी मर्यादायें स्थापित की हैं कि उसके बाद संसार के इतिहास में अन्य कोई उसका पालन नहीं कर सका ।आज वर्तमान तथा भावी पीढ़ी हेतु महापुरूषों के जीवन चरित्र का व्यापक प्रचार प्रसार करने की आवश्यकता है ।उन्होंने कहा विगत 50 वर्ष से अधिक अयोध्या से चित्रकूट और पुनः अयोध्या वापसी कर समाज को जाग्रत करने वाली श्रीभरत यात्रा अपने उद्देश्यों की पूर्ति मे सफल हो रही है ।इस अवसर पर कृपालु रामदास ष्पंजाबी बाबाष पुनीत राम दास, महंत रामशरण रामायणी, आचार्य आनंद शास्त्री,भरत यात्रा के व्यवस्थापक पंचमुखी हनुमान मंदिर गुप्ता घाट के महंत विमल कृष्ण दास, पूर्व सांसद लल्लू सिंह,सहित सैकड़ो संत धर्माचार्य तथा श्रीराम भक्त उपस्थित रहे।

स्वर्ण व्यवसाई को फोन पर जान से मारने की धमकी

संवाददाता—देवरिया। नगर के एक स्वर्ण व्यवसाई के मोबाइल पर शनिवार को फोन कर अज्ञात व्यक्ति ने हत्या की धमकी दी। इसकी जानकारी व्यवसाई ने पुलिस को दी। सक्रिय हुई पुलिस लोकेशन निकाल आरोपी की तलाश में जुट गई। धमकी मिलने के बाद व्यवसाई सहमे हुए हैं उन्होंने आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। नगर के भरटोलिया वार्ड निवासी रामअवध मौर्या स्वर्ण व्यवसाई हैं। घर के अंदर ही सोने—चांदी की दुकान है। रोज की तरह दुकान में बैठे थे। इसी बीच एक अज्ञात नंबर से फोन आया। उधर से बात करने वाले ने कहा कि आज तुम्हारा लास्ट दिन है, हत्या कर दूंगा। इसकी जानकारी बेटे को दी। बेटे उग्रसेन ने उस नम्बर पर फोन मिलाया तो दुबारा अंजाम बुरा भुगतने की धमकी देकर फोन काट दिया। इस बात की जानकारी व्यवसाई ने पुलिस को तहरीर देकर दी।

पूर्वाचार्य महंत जगन्नाथ दास को संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददात—

अयोध्या। अयोध्याधाम के टेढ़ीबाजार वशिष्ठकुंठ स्थित प्रमुख पीठ रामजानकी जायसवाल मंदिर के पूर्वाचार्य महंत जगन्नाथ दास महाराज को संतों ने पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। रविवार को मंदिर प्रांगण में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में अयोध्यानगरी के विशिष्ट संत—महंत एवं धर्माचार्यों ने साकेतवासी महंत के चित्रपट पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साथ ही उनके कृतित्व—व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रामजानकी जायसवाल मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीमहंत श्याम सुंदर दास महाराज ने बताया कि मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया तिथि पर गुरुदेव महंत जगन्नाथ दास महाराज का पुण्यतिथि महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया गया। पुण्यतिथि पर रामनगरी के संत—महंत और धर्माचार्य सम्मिलित हुए। जिन्होंने गुरुदेव को श्रद्धासुमन अर्पित कर शिद्दत से याद किया। महाराजश्री अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत थे। वह गौ एवं संत सेवी रहे। उनका व्यक्तित्व बड़ा ही उदार रहा। सरलता तो उनमें देखते ही झलकती थी। गुरुदेव ने आश्रम का सर्वांगीण विकास किया। आजीवन मठ की उत्तरोत्तर समृद्धि में लगे रहे। मंदिर अपनी प्रगति पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि गुरुदेव के बारे में जितना कहा जाए वह कम ही है। वह आज हमारे बीच में नही हैं। लेकिन उनकी यश—कीर्ति सदैव हम सबके साथ रहेगी। आश्रम में गौ, संत, विद्यार्थी व आगंतुक सेवा सुचार रूप से चल रही है।

मंदिर में सभी उत्सव, समैया, त्योहार आदि परंपरागत रूप से मनाया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में मंदिर से जुड़े शिष्य—अनुयायी, परिकर शामिल होकर अपना जीवन धन्य बनाते हैं। वर्तमान महंत श्याम सुंदर दास महाराज द्वारा पधारे हुए संत—महंतों का स्वागत—सम्मान किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में संत—महंत, भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। पुण्यतिथि पर वेदमंदिर के पीठाधिपति श्रीमहंत रामनरेश दास, रामचरितमानस भवन के महंत अर्जुन दास, श्रीराम आश्रम के पीठाधीश्वर श्रीमहंत जयराम दास वेदांती, गोवर्धन आश्रम के महंत मुकेश दास, स्वामी गयाशरण, व्यापार मंडल अध्यक्ष राधेश्याम जायसवाल, नीरज जायसवाल हरिपूर्णानंद जायसवाल, कोलकाता से मोतीलाल जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया दीपोत्सव, की गई महाआरती

संवाददाता—श्रावस्ती। गंगा समग्र योजना के तत्वाधान में रविवार को सिरसिया के डगमरा नाले पर दीपोत्सव व गंगा आरती का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में दीप जलाकर घाट को जगमग किया। इस दौरान मां गंगा की आरती उतार कर भारतीय संस्कृति व सभ्यता को जीवंत रखने का व नदियों के संरक्षण का संकल्प लिया गया। दीपोत्सव का शुभारंभ जिला संयोजक जय प्रकाश मिश्र ने किया। जय प्रकाश सोनी ने बताया कि भारत भर में गंगा समग्र यात्रा निकाली जा रही है। इसके तहत नदियों के प्रति लोगों की आस्था मजबूत करने के लिए नदियों और नालों के तटों पर दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही नदियों के संरक्षण का संकल्प दिलाया जा रहा है। इसी क्रम में सिरसिया के डगमरा नाले पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जिला सह संयोजक संतोष कुमार सोनी ,जिला शिक्षण संस्था आयाम प्रमुख आत्मा राम वर्मा, राम फेरन मिश्र, हरि शिव सोनी, पंकज श्रीवास्तव, रमेश गुप्ता, रामनिवास, सोनू सोनी, दिनेश सोनी, संतोष गुप्ता, उमेश सोनी, संदीप कसौधन, संत ओम प्रकाश जी महराज, बेचू दयाल मिश्र, संतोष जी महराज, देवी प्रसाद पाण्डेय पुजारी काली मंदिर जोखवा बाजार, सौरभ मिश्र आदि सैकड़ों संख्या में लोग मौजूद रहे।

दो बाइकों में टक्कर, दम्पति सहित तीन लोग घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। सीताद्वार मेला देखने जा रहे लोगों की बाइक सामने से आ रहे बाइक सवार से टक्कर हो गई। इससे दम्पति सहित तीन लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां इलाज किया गया। थाना इकौना के ग्राम मदारा एमएलए पुरवा निवासी अजय कुमार 22 वर्ष पुत्र कन्हैयालाल व उनकी पत्नी कंचना देवी 20 वर्ष तथा 16 वर्षीय पंकज पुत्र तीरथ राम शनिवार को एक बाइक से सीताद्वार मेला देखने जा रहे थे। सीता द्वार मेले में जाते समय भगवानपुर बनकट के पास सरजू नहर पर विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी और मौके से भाग गया।

दिल्ली और लखनऊ के इंजन आपस में टकरा रहे हैं, अंबेडकरनगर में अखिलेश ने भाजपा पर कसा तंज

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश में हो रहे उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अंबेडकरनगर के कटेहरी में चुनावी सभा की। अखिलेश यादव ने सभा में भाजपा पर खूब तंज किया। उत्तर प्रदेश में हो रहे उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने अंबेडकर नगर के कटेहरी विधानसभा क्षेत्र में अपने प्रत्याशी के लिए जनसभा किया। सभा के अखिलेश यादव ने प्रदेश और केंद्र सरकार के रिश्तों पर जमकर तंज किया। उन्होंने प्रदेश के डीजीपी की नियुक्ति पर भी सवाल किया।

कटेहरी में अखिलेश यादव ने कहा कि दिल्ली (केंद्र सरकार) और लखनऊ (यूपी सरकार) के इंजन आपस में टकरा रहे हैं। इस टक्कर के पीछे कई कारण हैं। इसी वजह से उत्तर प्रदेश के डीजीपी की नियुक्ति नहीं हो पाई है। पहले उनके (दिल्ली और यूपी) इंजन टकरा रहे थे। अब उनके नारे भी टकरा रहे हैं३महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र सरकार नहीं रहेगी शक्ति। वे (बीजेपी) यूपी भी हारेंगे।

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि पहले तो यूपी के सीएम डरे हुए दिख रहे थे लेकिन जैसे–जैसे यूपी में चुनाव नजदीक आ रहे हैं, वो हिले हुए नजर आ रहे हैं क्योंकि जनता उनके खिलाफ खड़ी है। जिस तरह की भाषा वह इस्तेमाल कर रहे हैं, वह कभी अंग्रेजों ने इस्तेमाल की थी, जिन्होंने फूट डालो और राज करो का नारा दिया था। अंबेडकरनगर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने कटेहरी विधानसभा क्षेत्र में सपा से सोभावती वर्मा तो वहीं भाजपा से धर्मराज निषाद चुनावी मैदान में हैं। इन दोनों पार्टियों के अतिरिक्त चंद्रशेखर आजाद की पार्टी आजाद समाज पार्टी (कांसीराम) से राजेश कुमार और बसपा से अमित वर्मा अपनी राजनीतिक परीक्षा में शामिल हैं।

अखिलेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए कहा कि संत, मुनि और ऋषि कम बोलते हैं लेकिन कलयुग में कटुता की बातें की जा रही हैं। कहा कि इनके इंटरनल सर्वे में हार की बात आई है। इसलिए चुनाव टाल दिया। इनको लगा कि छठ पर्व मनाने जो लोग घर आयेंगे वो इनके खिलाफ ही वोट करेंगे।

सीओ सिटी समेत पांच को जिला जज ने थमाया नोटिस, क्रिमिनल रिवीजन में जारी हुआ आदेश

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में वर्ष 2015 में कोर्ट से स्टे होने के बाद भी जबरन कब्जा कराने के मामले में कोतवाली नगर के तत्कालीन कोतवाल शैलेंद्र सिंह, दरोगा यमुना प्रसाद पांडेय सहित पांच लोगों के विरुद्ध नोटिस जारी कर तलब किया गया है। यह आदेश जनपद सत्र न्यायाधीश रणंजय कुमार कुमार वर्मा ने निगरानीकर्ता धीरेंद्र प्रताप सिंह के प्रार्थना पत्र पर दिया है। साथ ही सुनवाई के तारीख नौ दिसंबर तय की गई है।

ने 19 अक्तूबर 2024 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की ओर से पारित आदेश के विरुद्ध क्रिमिनल रिवीजन जिला जज की अदालत में पेश किया है। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के जनौरा निवासी धीरेंद्र प्रताप सिंह ने वर्ष 2015 में तत्कालीन कोतवाल रहे शैलेंद्र सिंह, देवकाली चौकी इंचार्ज यमुना प्रसाद पांडेय, लालबाग बांस मंडी निवासी सजाउद्दीन, जनौरा निवासी भूपेंद्र सिंह व जितेंद्र सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया था। कोर्ट में दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया था कि पीड़ित धीरेंद्र सिंह की जमीन पर भूपेंद्र सिंह व जितेंद्र सिंह जबरन कब्जा कर रहे थे। उसे जमीन का न्यायालय से स्टे भी हुआ था। ध ीरेंद्र सिंह ने कोतवाली नगर में शिकायत किया तो उसे ही थाने पर बैठा लिया गया। शांति भंग में चालान कर दिया गया। कोतवाल शैलेंद्र सिंह ने फर्जी मुकदमा भी दर्ज करा दिया। पीड़ित द्वारा घटना के बाबत रिपोर्ट दर्ज कराए जाने का प्रार्थना पत्र कोर्ट में दिया गया। सीजेएम ने सुनवाई के बाद धीरेंद्र प्रताप सिंह का 156(3) का प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया। जिला जज ने सुनवाई के बाद वर्तमान सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह, उप निरीक्षक यमुना प्रसाद पांडेय, लालबाग बांस मंडी निवासी सजाउद्दीन, जनौरा निवासी भूपेंद्र सिंह व जितेन्द्र सिंह के विरुद्ध नोटिस जारी कर नौ दिसंबर 24 को सुनवाई किए जाने का आदेश पारित किया है।

यूपी में पढ़े लिखे युवा बेरोजगार, बैठना पड़ रहा धरने पर, हमारे यहां संत चुप रहते हैं लेकिन यहां सब उल्टा –अखिलेश यादव

संवाददाता–अयोध्या। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि जो चुनाव टाल रहे हैं वह हारेंगे। कहा कि भाजपा के आंतरिक सर्वे में यह हार रहे थे इसलिए उन्होंने चुनाव टाल दिए। अखिलेश अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे यहा से अंबेडकरनगर के कटेहरी विधानसभा उपचुनाव में आयोजित जनसभा को संबोधित करने जा रहे थे। अखिलेश यादव ने कहा कि पहले 13 नवंबर को चुनाव की तारीख तय थी। इस दौरान त्योहारों पर लोग घर आए हुए थे। छुट्टियों पर आये लोगों ने भाजपा के खिलाफ वोट करने का मन बना लिया था। कहा कि बीजेपी को हार की भनक पहले ही लग गई थी। इसलिए बीजेपी ने 13 तारीख से चुनाव टाल कर 20 नवंबर को करवा दिया। अखिलेश ने कहा कि नौकरी और रोजगार को लेकर युवाओं को धरने पर बैठना पड़ रहा है। यूपी सरकार को छात्रों की एकजुटता को देखते हुए पीछे हटना पड़ा। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन का नारा देने वाले अब परीक्षा तक नहीं करा पा

रहे हैं। जबकि इन्होंने रिकॉर्ड परीक्षा करवाने का वादा किया था। अखिलेश ने कहा कि नौकरी ना मिले इसलिए इस मामले को उलझाने के लिए यह लोग हाईकोर्ट जाते हैं।

झांसी में बच्चों की मौत पर भी अखिलेश ने दुख प्रकट किया। अखिलेश ने कहा कि आज के समय में इस तरह की घटनाएं दुखद हैं। अखिलेश ने कहा कि जब गोरखपुर में ऑक्सीजन की कमी से बच्चे मरे थे सरकार को तभी सावधान हो जाना चाहिए था। कहा कि सरकार की नजरअंदाजी की वजह से 10 बच्चों की जान चली गई। सीएम योगी पर तंज करते हुए अखिलेश ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री पहले से डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्शन करीब आने के बाद से सीएम योगी ढीले दिखाई दे रहे हैं। बंटोगे तो कटोगे के नारे पर अखिलेश ने कहा कि बंटोगे तो कटोगे की भाषा अंग्रेजों की थी। अंग्रेजों की आदत थी बांटकर राज करने की। अब यह काम हमारे सीएम योगी भी कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि उन्हें तो सीएम के अच्छे विचारों का इंतजार है। कहा कि हमारे यहां संत चुप रहते हैं लेकिन यहां सब उल्टा पुल्टा है। हमारे मुख्यमंत्री जी बोल रहे हैं क्योंकि इंसान वस्त्र से नहीं विचार से साधु होता है।

गायत्री यज्ञ में गूंजे स्वाहा, स्वाहा के स्वर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत कप्तानगंज के माँ गायत्री इंटर कालेज के प्रांगण मे चल रही चार दिवसीय चौबीस कुंडीय गायत्री यज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण की कथा मे दूसरे दिन अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे आचार्य राजकुमार भृगु ने प्रथम सत्र मे उपस्थित यजमान को ध्यान, जप, के साथ गायत्री मंत्र के मंगल ध्वनि के साथ स्वाहा स्वाहा के स्वर से गुंजायमान रहा। द्वितीय सत्र में आचार्य भृगु ने प्रज्ञा पुराण के कथा के माध्यम से लोगों मे मानव मानव से प्रेम करे, भगवान् तथा गौ मे आस्था निहित हो। कथा के अंत मे आरती की गई। इस मौके पर भास्कर तिवारी, बनवारी लाल, श्रवण कुमार, अशोक कुमार मिश्र, डॉ अरविंद कुमार मिश्र, हरिशंकर पाण्डेय, अनिल कुमार तिवारी, पारसनाथ, अरुण मिश्र, कन्हैयालाल कसौधन, डॉ प्रेम चंद मिश्र, विजयसेन तिवारी सहित अनेकों भक्त मौजूद रहे।

महिलाओं की चीख में मजा लेने वाले सीरियल हमलावर गिरफ्तार, पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

संवाददाता–गोरखपुर। महिलाओं की चीख में मजा लेने वाले एक सिरफिरे सीरियल हमलावर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस कामयाबी से गोरखपुर झंगहा क्षेत्र की उन महिलाओं बड़ी राहत मिली है जो खौफ के चलते रात को घरों से बाहर नहीं निकल पा रही थीं। इस सीरियल हमलावर अब तक पांच महिलाओं पर हमला कर चुका था। इनमें से एक की मौत भी हो चुकी है। एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। हर महिला को उसने घर में घुसकर मारा। पूछताछ में इस हमलावर ने पुलिस को हर वारदात के बारे में तफ्सील से बताया है। उसकी बातों से ऐसा जाहिर हो रहा है कि उसे महिलाओं की चीख सुनकर मजा आता था। इसी मजे के लिए वह हमेशा अपने शिकार की तलाश में रहता था। मौका मिलते ही वह किसी महिला पर घातक वार कर फरार हो जाता था।

सिरफिरे का नाम अजय निषाद है। वह झंगहा क्षेत्र के ही राजधानी गांव के मंगलपुर टोले का रहने वाला है। इसके पहले दुष्कर्म के केस में वह जेल भी जा चुका है। उसके पास से पुलिस ने घटनाओं में इस्ध्तेमाल लोहे का रॉड, चारपाई का पाया, बांस–लकड़ी के डंडे सहित कुल पांच हथियार बरामद किए हैं। इस कामयाबी के लिए अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर ने खुलासा करने वाली टीम को एक लाख रुपए का इनाम दिया है।

इस सिरफिरे शख्ध्स ने पहली वारदात 29 और 30 जुलाई 2024 की दरमियानी रात में झंगहा क्षेत्र में अंजाम दी थी। वह आधी रात को

एक घर में घुसा और महिला के साथ मारपीट की। इसके बाद महिला के जेवर छीनकर भाग निकला। दूसरी वारदात उसने 11–12 अगस्ध्त की रात में की। पीड़ित लड़की के पिता ने पुलिस को बताया कि एक अज्ञात व्ध्यक्ति ने घर में घुसकर बरामदे में सोई हुई उनकी बेटी को जान से मारने की नीयत से किसी ठोस वस्ध्तु से वार किया। इससे उनकी बेटी को गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। 25 और 26 अगस्ध्त की रात को इस शख्ध्स ने तीसरी वारदात को अंजाम दिया। तब इसने एक घर में घुसकर अपने कमरे में सो रहीं महिला पर किसी ठोस वस्ध्तु से वार किया। उसके हमले में महिला बुरी तरह घायल हो गईं। पुलिस सूत्रों के अनुसार 25–26 अगस्ध्त की घटना के बाद यह सिरफिरा सूरत चला गया था। छठ के बाद लौटकर उसने एक बार फिर ऐसी घटनाओं को अंजाम देना शुरू कर दिया।

चौथी वारदात में नौ और 10 नवम्ध्बर की रात में उसने एक घर में घुसकर वहां मौजूद महिला के सिर पर डंडे से वार किया। वह गंभीर रूप से घायल हैं। इस सिरफिरे ने पांचवीं वारदात 13 और 14 नवम्ध्बर की दरमियानी रात में अंजाम दी। पीड़िध्त लड़की के पिता ने पुलिस को बताया कि एक अज्ञात शख्ध्स रात में उनके घर में घुसा। उसने बेटी के सिर पर किसी ठोस वस्ध्तु से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस इन पांचों मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच कर रही थी तभी यह सिरफिरा गिरफ्त में आ गया।

पकड़ा गया सीरियल हमलावर इसके पहले पहले दुष्कर्म के केस में जेल जा चुका है। पूछताछ में उसने बताया कि शुरू–शुरू में वह चोरी करने के इरादे से घर में घुसता था। महिलाओं को निशाना बनाकर उन पर वार कर उन्ध्हें घायल करता था और जो भी सामान मिले से उसे लूटकर भाग जाता था। सिरफिरा रात में रात में घूमते हुए ऐसे घरों को टारगेट करता था जहां से भागना उसे आसान लगता था। उसने पुलिस को बताया कि घटनाओं लूटे हुए जेवर उसने बेच दिए हैं।

अफसरों ने कराया विवाद का समाधान, सड़क निर्माण का रास्ता साफ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर व बलरामपुर जिले की सीमा पर डुमरियागंजध तहसील क्षेत्र के असनहरा व उतरौला तहसील क्षेत्र के टड़वा गांव के मध्य पक्की सड़क के निर्माण को लेकर उपजे विवाद का रविवार को समाधान हो गया। डीएम डॉ. राजागणपति आर के निर्देश पर दोनों तहसील प्रशासन ने स्थानीय लोगों से बात कर मामले का समाधान करा दिया है। अब सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो गया। डुमरियागंजध तहसीलदार रवि कुमार यादव ने बताया कि सीमा क्षेत्र को लेकर असनहरा–टड़वा मार्ग निर्माण पर बाधा उत्पन्न हो गया था। डीएम डॉ. राजा गणपति आर के निर्देश पर उतरौला तहसील क्षेत्र के टड़वा गांव व डुमरियागंजध तहसील क्षेत्र के सीमा पर बन रहे असनहरा से उतरौला मार्ग के विवाद को हल करा दिया है। वार्ता के दौरान संबंधित ग्राम प्रधान व ग्रामीणों के अलावा एसडीएम उतरौला, पीडब्ल्यूडी विभाग के अवर अभियंता इम्तियाज अहमद मौजूद रहे। एसडीएम उतरौला अवधेश कुमार ने बताया कि चकबंदी प्रक्रिया के चलते कुछ लोगों ने सड़क निर्माण पर आपत्ति की थी। इसे डुमरियागंजध तहसील प्रशासन व स्थानीय लोगों के बीच वार्ता कर समाधान करा दिया गया है।

बाल सुधार गृह से भागे 3 बाल अपचारी पुलिस ने दो को पकड़ा, एक फरार

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा स्थित शिवपुर सहबाजगंज के बाल सुधार गृह से शनिवार की देर रात तीन बाल अपचारी फरार हो गए। जिसके बाद हड़कंप मच गया। तीनों देवरिया, चौरी चौरा और तिवारीपुर इलाके के रहने वाले हैं। देर रात किसी बात को लेकर तीनों बाल अपचारियों ने मारपीट की थी। इसके बाद तीनों बाल सुधार गृह के छत के रास्ते भाग गए। हालांकि, सुबह तिवारीपुर पुलिस ने दो बाल अपचारियों को पकड़ लिया। तीसरे बाल अपचारी की तलाश में पुलिस टीमें लगी है। दरअसल, अभी तक बाल सुधार गृह सूर्य विहार कॉलोनी में चल रहा था। अभी 4 दिन पहले इसे गुलरिहा स्थित शिवपुर सहबाजगंज शिफ्ट कर दिया गया। जहां 200 से अधिक बाल अपचारियों को रखा गया है। लेकिन, यहां सुध ार गृह को शिफ्ट करने से पहले किसी तरह के सुरक्षा मानकों का ध यान नहीं रखा गया। यही वजह है कि यहां पहुंचने के साथ ही बाल अपचारियों ने यहां से भागने का प्लान तैयार कर लिया। शनिवार की देर रात पहले तीनों ने आपस में मारपीट की और फिर तीनों छत के रास्ते वहां से भाग निकले। पहले भी सूर्य विहार कॉलोनी स्थित आवासीय क्षेत्र में ही बाल सुधार गृह बनाया गया था। इसे लेकर यहां के स्थानीय लोग भी कई बार विरोध कर चुके हैं। बाल सुधार गृह के बगल में एक गली थी। गली में कई मकान भी हैं। जबकि बाल सुध ार गृह के कमरों की खिड़कियां इसी गली में निकलती थी। ऐसे में अपचारी खिड़कियों की जाली काटकर इधर से आए दिन मोबाइल और अन्य आपत्तिजनक सामान अंदर मंगा लेते थे।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय नगर के पास गंदगी का अम्बार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार (बस्ती)। नगर पंचायत नगर बाजार मे स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के पास पसरी गंदगी से बालिकाओं को परेशानी हो रही है। कई बार समस्या से अवगत करवाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा। विद्यालय के चारो तरफ कचरों का अंबार है जिससे बालिकाओं मे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है ।

एक तरफ जहां सरकार सफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर है। दूसरी तरफ बालिका शिक्षा के साथ साथ स्वास्थ्य को लेकर यह लापरवाही समझ से परे है।सरकार की ओर से लाखों रुपए सफाई व्यवस्था के नाम पर खर्च करने के बावजूद भी हालात यह है कि यहां दुर्गंध फैलने के कारण आवागमन करने वाले लोगों विद्यालय की छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गंदगी के कारण संक्रामक रोग फैलने की आशंका जताई जा रही है। यहां छात्रावास में रह रही छात्राओं के लिए संक्रामक रोग फैलने की खतरा बना रहता है। विद्यालय में पढने वाली छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गंदगी के कारण विद्यालय के आस पास मच्छर पनप रहे हैं। जिससे छात्राओं में बीमारियों से ग्रसित होने की संभावना बढ गई है।वहीं विद्यालय के दीवाल से सटे बरसात का पानी जमा है।खर पतवार उसी में सड़ रहे हैं ।जिसमें से दुर्गंध निकल रही है। पालतू सूअर दिन भर वहीं विचरण करते रहते हैं ।

इस संबंध मे पूछे जाने पर अध िशाषी अधिकारी सृष्टि सिंह ने बताया कि अतिसीघ्र सफाई कर्मियों को भेज कर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करवा दी जाएगी।

चोरी की वारदातों से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर लगाया जाम

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चल्हिया थाना क्षेत्र के परसिया गांव के ग्रामीणों ने चोरी की घटनाओं का खुलासा न होने से आक्रोशित होकर रविवार की शाम गांव के पास सड़क जाम कर दी। पुलिस ने ग्रामीणों को समझा–बुझाकर जाम समाप्त कराया। धरना करीब 20 मिनट तक चला। चिल्हिया थाना क्षेत्र के परसिया गांव में 11 नवंबर की रात चोरों ने मुक्ति नाथ के घर का ताला तोड़कर नगदी समेत लाखों के जेवरात उठा ले गए थे। साथ ही तीन अन्य घरों का ताला तोड़ चोरी का प्रयास किए थे पर सफल नहीं हुए। शुक्रवार को एक नकाबपोश चोर ने दिन में साढ़े बजे के करीब मुक्तिनाथ के घर में घुसकर उनके बहु के सिर पर वार कर सोने का नथिया लेकर फरार हो गया था। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी पर अब तक घटना का खुलासा नहीं हो सका।

इससे नाराज परिजनों व ग्रामीणों ने रविवार की शाम गांव के पास ही ट्रैक्टर–ट्रॉली लगाकर सड़क जाम कर दी। इसकी सूचना मिलते ही एसओ चिल्हिया व एसओ शोहरतगढ़ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ग्रामीणों को समझा–बुझाकर जाम समाप्त कराया। एसओ चिल्हिया दुर्गा प्रसाद ने बताया कि 11 नवंबर की घटना में शामिल चोरों को बलरामपुर में पकड़ लिया गया है।

संदिग्ध हाल में जहरीला पदार्थ खाने से युवती की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। लोटन के तरघौना गांव में एक 19 वर्षीय युवती, रेहाना, ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजन खेत में थे, जब वह बेहोश हुई। लोटन कोतवाली क्षेत्र के तरघौना गांव में शनिवार की शाम संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवती ने घर के अंदर जहरीला पदार्थ खा लिया। इससे उसकी मौत हो गई। क्षेत्र के तरघौना गांव निवासी हजरत अली की पुत्री रेहाना (19) शनिवार की शाम घर पर अकेली थी। परिजन खेत में धान की कटाई कराने गए थे। इस दौरान रेहाना ने जहरीला पदार्थ खा लिया और घर के अंदर बेहोश हो गई। परिजन जब खेत से लौटे तो उसे बेहोशी की हालत में देखा। परिजन उसे सीएचसी लोटन ले गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर घर चले आए, जहां उसकी मौत हो गई। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित चौधरी ने बताया कि जहरीला पदार्थ खाने से युवती की तबीयत बिगड़ी थी। प्रभारी निरीक्षक राजेश गुप्त का कहना है कि मामले की कोई जानकारी नहीं है।

युवक की हत्या में तीन पर मुकदमा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज पुलिस ने क्षेत्र के कूड़ी गांव में शनिवार की देर शाम युवक की हत्या के मामले में तीन नामजद आरोपियों पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस का दावा है कि शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं घटना के बाद से परिजनों का रो–रोकर हाल बेहाल है। शनिवार की देर रात कूड़ी गांव निवासी मंगल यादव पुत्र सकठू यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका बेटा उमेश (22) शनिवार की शाम करीब छह बजे मोबाइल से बात करते हुए अपने घर आ रहा था। पुरानी रंजिश को लेकर पहले से ही घात लगाए बैठे गांव के सनमान यादव पुत्र राम केवल, शिवलाल यादव व शोविंद यादव पुत्र सनमान यादव सहित कुछ अन्य लोगों ने उमेश को घेर कर लाठी डंडों से पीटना शुरू कर दिया। इसके बाद ध ारदार हथियार से हमला कर उमेश की हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में रविवार को केस दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक रमेश कुमार यादव ने बताया कि तीनों नामजद आरोपियों के विरुद्ध वीएनस 103(1) के तहत केस दर्ज कर लिया गया। शीघ्र ही सभी आरोपी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। कूड़ी गांव में उमेश यादव की हत्या के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। परिजनों ने बताया कि दीपावली पर्व के दिन हत्या आरोपियों के घर डीजे बज रहा था। मां की तबीयत खराब का हवाला देकर उमेश डीजे बजाने से रोकने गया था। जिस पर कुछ कहासुनी हुई थी। आरोपियों ने डीजे तो बंद कर लिया लेकिन उन्हें रोका जाना नागवार लगा। परिजनों का आरोप है कि तभी से ही वह लोग गोलबंद हो कर उमेश की हत्या के फिराक में थे। मृतक उमेश यादव पांच भाइयों में सबसे छोटा था जो अभी अविवाहित था। अन्य चारों भाई रोजी–रोटी के सिलसिले में दिल्ली और गुजरात आदि शहरों में रह रहे हैं। मृतक उमेश के माता–पिता की तबीयत खराब। उनका इलाज कराने के लिए पिछले तीन माह से उमेश घर पर ही रुका रहा। इसी बीच फसलों की बुवाई आदि में व्यस्त हो गया। पिता मंगल यादव ने बताया कि खेती–बाड़ी का काम निपटाकर रविवार को वह गुजरात जाने वाला था लेकिन मनबढ़ों ने उसे दुनिया से अलविदा कर दिया। घटना से बूढ़े मां–बाप सहित परिजनों का रो–रो आंखें पथरा गई हैं।

ऑल इंडिया ओपन शूटिंग प्रतियोगिता आयोजित, शूटरों ने लगाए अचूक निशाने

संवाददाता–अयोध्या। अयोध या शूटिंग रेंज में जिला रायफल क्लब की ओर से ऑल इंडिया ओपन शूटिंग प्रतियोगिता में विभिन्न प्रदेशों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। दूसरे दिन प्रतियोगिता का शुभारंभ दिल्ली की एनआरएआई जज एंड ज्यूरी अन्नु शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या जिले में सरकारी शूटिंग रेंज के खुलने के बाद यहां के खिलाड़ियों को भी उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिल रहा है। प्रतियोगिता में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के मेरठ, गाजियाबाद, लखनऊ, प्रयागराज, बरेली, वाराणसी, गोंडा, और गोरखपुर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में मुकाबले आयोजित किए गए, जिनमें यूथ (10 से 14 वर्ष), जूनियर (17 से 18 वर्ष), सीनियर (19 से 45 वर्ष), मास्टर (45 से 60 वर्ष) और वेटर्न (60 वर्ष से अधिक) वर्ग के खिलाड़ी शामिल हुए। प्रतियोगिता में शनिवार को 600 खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपनी शूटिंग कला से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

आयोजक शनि वर्मा ने बताया कि रविवार को शाम चार बजे जिलाध िकारी चंद्र विजय सिंह प्रतियोगिता का समापन करने के साथ, विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करेंगे। जिला प्रशासन की सक्रिय भूमिका और जिला रायफल क्लब के प्रयासों के कारण प्रतियोगिता में पूरे देश के खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। इस दौरान जैनुल खान, मोहम्मद अशरफ, बृजेश, साक्षी चौबे,सपना भारती, रंजीत कोरी,मैविश, विकास तोमर,सुरजन सिंह, राहुल गर्ग व विनोद सिंह आदि मौजूद रहे।

आरव अग्रवाल ने कहा कि अयोध या आ कर अच्छा लग रहा है। इटावा,लखनऊ सहित अन्य स्थानों में विभिन्न प्रतियोगिताओं में अभी तक छह पदक प्राप्त हुए हैं। भविष्य में नेपाल का प्रतिनिधित्व कर ओलंपिक में खेलना चाहता हूं।

रोनाल्ड ने कहा कि अयोध्या पहली बार आया हूं। विभिन्न प्रतियोगिता में माता–पिता के सहयोग से अब तक दो गोल्ड, दो सिल्वर, एक कांस्य पदक प्राप्त हुए हैं।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com